● वर्ष-3
● अंक-215
रायपुर, शुक्रवार
19 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› कृष्ण की नगरी में बनेगा दुनिया....

लोस चुनावः आज बस्तर में मतदान

मैदान में 11 प्रत्याशी, सुरक्षा में 60 हजार जवान तैनात

रायपुर। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में छत्तीसगढ़ के बस्तर लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। इसके लिए चुनाव आयोग ने पूरी तैयारियां कर ली है। निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले ने बताया कि नक्सली इलाका होने के कारण यहां पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि इस सीट के लिए दो अलग-अलग समय पर मतदान होगा। उन्होंने मतदाताओं को निष्पक्ष रूप से वोट करने की अपील की है। बस्तर लोकसभा चुनाव के लिए कुल 1961 मतदान केंद्र बनाया गया है, जिसमें 1957 मूल मतदान केंद्र हैं। वहीं चार सहायक मतदान केंद्र बनाया गया है। लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छह विधानसभा में सुबह सात से तीन बजे तक मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले ने बताया कि बस्तर और जगदलपुर में सुबह सात से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। वहीं 800 मतदान केंद्रों में वेब कास्टिंग की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने बताया कि बस्तर लोकसभा सीट से कुल 11 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इसमें से तीन उम्मीदवार मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल से हैं। छह रजिस्ट्रीकृत और दो निर्दलीय उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। बस्तर लोकसभा में कुल 14 लाख 72 हजार 207 मतदाता हैं। इसमें से पुरुष मतदाता की संख्या सात लाख 746 हैं। महिला मतदाताओं की संख्या सात लाख 71 हजार 679 हैं। वहीं तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या 52 है। इसमें 18 से 19 साल के मतदाताओं को संख्या 47 हजार 10 है, दिव्यांग 12 हजार 703, 85 प्लस तीन हजार 487 और 100 प्लस मतदाताओं की संख्या 119 है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस सीट पर 196 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। इसके सुरक्षा को लेकर सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम कर चुकी है। बस्तर में शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए पिछले एक सप्ताह से 60 हजार जवान तैनात हैं।

पहले चरण में 102 सीटों पर आज मतदान

नयी दिल्ली। आम चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में 102 संसदीय सीटों के लिए शुक्रवार सुबह सात बजे मतदान शुरू होगा। जिसके लिए चुनाव अधिकारी मतदान केन्द्रों पर पहुंचा दिये गये हैं। पहले चरण में लोक सभा के साथ साथ अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा कुल 92 सीटों के लिए भी मतदान कराये जाएंगे। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं और उम्रदराज और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। आयोग के अनुसार संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर मतदान के समय अलग-अलग भी हो सकते हैं। इसके लिए सभी मतदान केन्द्रों पर चुनाव कराने वाली अधिकारियों की टीमें ईवीएम मशीनों के साथ पहुंचा दी गयी हैं। आम चुनाव के पहल चरण में देश के 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे. कुल सात चरणों में कराए जा रहे इन चुनावों में लोकसभा की 543 सीटों के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और आंध्र प्रदेश विधानसभाओं के चुनाव कराए जा रहे हैं. सिक्किम विधानसभा की सभी 32 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान होगा. पहले चरण में बाकी छह चरणों के मुकाबले सबसे ज्यादा सीटों पर मतदान होगा. इस चरण में तमिलनाडु की सभी 39, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, महाराष्ट्र की पांच, बिहार की चार, उत्तराखंड की सभी पांचों सीटों, असम की चार, पश्चिम बंगाल की तीन, अरुणाचल, मणिपुर और मेघालय की दो-दो, छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एंड निकोबार, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक लोकसभा सीट पर वोट पड़ेगा.

मतांतरण रोकने के लिए सख्त कानून तैयारः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मतांतरण रोकने के लिए हमारी सरकार ने कानून तैयार कर रही है। जिसे विधानसभा के अगले सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा।

एक अखबार को दिए अपने साक्षात्कार में श्री साय ने कहा कि कुछ ऐसी संस्थाएं प्रदेश में काम कर रही हैं, जो कि आदिवासियों को यह कहकर भ्रम में डाल रही हैं कि वह हिन्दू नहीं हैं। वह मतांतरित हो जाते हैं और मुख्य धारा से कट जाते हैं। अगर कोई जबर्दस्ती या प्रलोभन देकर मतांतरण कराने की कोशिश करता है तो उस पर कार्रवाई के प्रावधान अभी भी हैं, लेकिन वर्तमान कानून कड़ा नहीं है। उसे और कड़ा बनाएंगे। इसे पूरी तरह रोकने के लिए अगले सत्र में सख्त कानून ला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा था कि कानून लाएंगे। हमारी टीम कानून को अंतिम रूप देने में जुटी है। मतांतरण रोकने के लिए अभी प्रभावशाली तरीके से कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

कवासी लखमा के पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर श्री साय ने कहा कि यह कांग्रेस की संस्कृति है। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में हार दिख रही है। उनके नेता जिस तरह से बात कर रहे हैं, उसे देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। इससे कांग्रेस को लाभ नहीं होने वाला है, बल्कि इन टिप्पणियों से उनको हानि ही होगी। कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना करवाने की बात पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा हर वर्ग के लिए काम करती है। कांग्रेस सिर्फ समाज को बांटना चाहती है। कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर। ऊंच-नीच के नाम पर बंटवारे का प्रयास किया जा रहा है। मुस्लिम वर्ग के लिए भी हमारी सरकार ने पिछले वर्षों में बेहतर काम किया। मुस्लिम वर्ग की महिलाओं के लिए ट्रिपल तलाक का कानून केंद्र सरकार ने पास कर दिया। इससे महिलाओं को राहत हुई। हर वर्ग के लिए केंद्र सरकार ने काम किया है।

कांग्रेस द्वारा महिला न्याय गारंटी का फॉर्म भरवाने की बात पर सीएम साय ने कहा कि मैं तो हर भाषण में पूछ रहा हूं कि कांग्रेस की न्याय गारंटी पर विश्वास है तो जनता नकारती दिख रही है। विधानसभा चुनाव में हमने महतारी वंदन योजना फार्म भरवाए थे तो उसमें किसी प्रत्याशी का नाम नहीं था। कांग्रेस हर लोकसभा क्षेत्र में अपने प्रत्याशियों की फोटो के साथ फार्म भरवा रही है। मैं अपने भाषणों में जनता से पूछता हूं कि कांग्रेस के लोग एक-एक लाख रुपये देने के लिए फार्म भरवा रहे हैं, आपको कांग्रेस पर विश्वास है? जनता हाथ से इशारा करके कह रही है कि उन्हें विश्वास नहीं है। नियद नेल्लानार योजना पर श्री साय ने कहा कि हमारे बजट में भी नियद नेल्लानार योजना के लिए बजट है। केंद्र सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। वनांचलों के कई गांवों में बिजली, पानी और सड़क की सुविधा नहीं है।

जब तक प्रदेश में हमारी सरकार, नहीं बंद होगी महतारी वंदन योजना

महतारी वंदन योजना को लेकर कांग्रेसी भ्रम फैला रहे हैं कि चुनाव के बाद ये योजना बंद हो जाएगी। लेकिन मैं आप सभी को आश्वस्त करता हूँ कि जब तक प्रदेश में हमारी सरकार रहेगी ये योजना कभी बंद नहीं होगी। योजना का निरंतर लाभ महिलाओं को मिलता रहेगा। कोरबा में एक जन सभा को संबोधित करते हुए विष्णु देव साय ने लोगो को आश्वस्त किया कि आदिवासी, अनुसूचित जाति, ओबीसी किसी का आरक्षण खत्म नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा है कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा।

कहां छिपा था शाही जादूगर, राहुल के एक झटके में गरीबी हटाने के दावे पर मोदी का तंज

नई दिल्ली। देश में लोकसभा चुनाव के लिए अलग-अलग मुद्दे सामने आ रहे हैं। इन सब के बीच विपक्ष की ओर से महंगाई और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। गरीबी भी एक बड़ा मुद्दा है जिसे इस बार के चुनाव में विपक्ष बार-बार उठा रहा है। भाजपा के मेनिफेस्टो पर भी राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों का दावा है कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसे शब्द भाजपा के घोषणा पत्र से गायब है। खुद राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है और उसके बाद महंगाई का नंबर आता है। हालांकि भाजपा यह लगातार दावा कर रही है कि मोदी राज में महंगाई कम हुआ है। युवाओं को भी रोजगार अच्छी खासी संख्या में मिली है। लोगों का जीवन स्तर सुधरा है। इन सब के बीच राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में सभा करते हुए ऐलान कर दिया कि हम अगर सत्ता में आते हैं तो एक झटके में ही हिंदुस्तान से गरीबी मिटा देंगे।

मोदी सरकार के कार्यकाल में ही पूर्वोत्तर मुख्यधारा में शामिल हो सकाः नड्डा

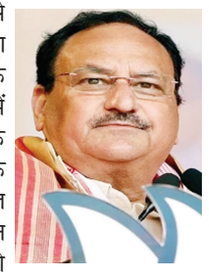

कोकराझार। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर पूर्वोत्तर को ''अलग-थलग'' रखने का आरोप लगाया और दावा किया कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में ही पूर्वोत्तर मुख्यधारा में शामिल हो सका। नड्डा ने यह आरोप भी लगाया कि विपक्षी दलों को जनता के कल्याण की चिंता नहीं है और वे खुद को अनेक घोटालों में आरोपित होने से बचाने में लगे हैं। नड्डा ने बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार जयंत बासुमतारी के समर्थन में यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राजग सरकार द्वारा किए गए शांति समझौते के कारण क्षेत्र में शांति लौटी है। राज्य में भाजपा नीत गठबंधन में सहयोगी 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल' (यूपीपीएल) ने बासुमतारी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर सात मई को मतदान होगा।

प्रमुख समाचार

जेल में केजरीवाल को जान से मारने की हो रही साजिशः आप

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे को झूठ बताया कि केजरीवाल अपने रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ाने के लिए मीठा भोजन कर रहे थे। आतिशी ने कहा कि केजरीवाल अपनी चाय में सफेद चीनी नहीं ले रहे हैं, बल्कि स्वीटनर एरिथ्रिटोल ले रहे हैं, जो कम कैलोरी वाला है और उनके डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि अपने शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए अरविंद केजरीवाल हर दिन 54 यूनिट इंसुलिन लेते हैं। इंसुलिन की इतनी यूनिट वे लोग लेते हैं जिन्हें गंभीर मधुमेह है। आतिशी ने कहा कि आप क्या खाना खाते हैं और कौन सा व्यायाम करते हैं, यह सब मधुमेह के रोगी के लिए आवश्यक है। यही वजह है कि कोर्ट ने उन्हें घर का बना खाना खाने की इजाजत दे दी है। लेकिन बीजेपी अपनी सहयोगी संस्था ईडी की मदद से अरविंद केजरीवाल की सेहत खराब करने की कोशिश कर रही है और उनके घर का खाना बंद करने की कोशिश कर रही है। ईडी ने कोर्ट में कहा कि अरविंद केजरीवाल मीठी चाय पी रहे हैं और मिठाई खा रहे हैं, यह सरासर झूठ है।

राडार को धोखा देने में माहिर स्वदेशी निर्भय का सफल परीक्षण

हरिकोटा। लंबी दूरी की निर्भय क्रूज मिसाइल का गुरुवार को ओडिशा तट पर सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल को स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल (आईटीसीएम) के रूप में भी जाना जाता है। ये एक स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली और माणिक टर्बोफैन इंजन से लैस है। मिसाइल को बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। परीक्षण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से आयोजित किया गया था। इस सफल उड़ान परीक्षण ने गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली के विश्वसनीय प्रदर्शन को भी स्थापित किया। परीक्षण के दौरान हथियार की सभी उप प्रणालियों ने उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन किया। मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस) और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी। मिसाइल ने वेपॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और बहुत कम ऊंचाई वाली समुद्री-स्किमिंग उड़ान का प्रदर्शन किया।

ममता ने रामनवमी यात्रा में हिंसा को बताया पूर्वनियोजित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी समारोह के दौरान हिंसा भड़काई। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी। रायगंज लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली में, ममता बनर्जी ने दावा किया कि झड़प से पहले एक पुलिस अधिकारी को मुर्शिदाबाद से हटा दिया गया था। ममता बनर्जी ने कहा कि सब कुछ पूर्व नियोजित था। मुर्शिदाबाद के डीआइजी को रामनवमी से एक दिन पहले हटा दिया गया ताकि आप (भाजपा) हिंसा कर सकें। उन्होंने दावा किया कि मुर्शिदाबाद में भाजपा के गुंडों ने पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट की। इस बीच, पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु आदिखारी ने गुरुवार को मुर्शिदाबाद में बुधवार के जुलूस के दौरान हुई झड़प के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। अधिकारी ने घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराने की मांग की है। सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि ममता बनर्जी के कथित भड़काऊ भाषण के कारण हिंसा भड़की। उन्होंने हिंसा की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है।

ईरान में फंसे जहाज से भारतीय महिला की सुरक्षित वापसी

नई दिल्ली। ईरान द्वारा कब्जे में लिए गए इस्त्राइली अरबपति के जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल में शामिल केरल की एन टेसा जोसेफ सुरक्षित भारत लौट आई हैं। गुरुवार को केरल के त्रिशूर की रहने वाली एन टेसा कोचीन हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां उनका स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान के जरिए इस बारे में जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनकी सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी की गारंटी हमेशा काम करती है। फिर चाहे वो देश हो या विदेश। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि तेहरान में भारतीय मिशन कंटेनर जहाज पर बचे शेष 16 भारतीय चालक दल के सदस्यों के संपर्क में है। जहाज वर्तमान में ईरानी नियंत्रण में है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत लौटी चालक दल की सदस्य ठीक हैं और वे अपने परिजनों के संपर्क में हैं। अन्य भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए भारतीय मिशन ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। शीघ्र ही उनकी भी वापसी होगी।

शिल्पा और राज पर ईडी का शिकंजा, 98 करोड़ की संपत्ति जब्त

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति अभिनेता-बिजनेसमैन राज कुंद्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने आज गुरुवार को शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की 98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। ईडी की ओर से यह एक्शन 6600 करोड़ रुपये के बिटकॉइन पोंजी घोटाले के मामले में लिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को कहा कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के पुणे स्थित बंगले और इक्विटी शेयरों सहित करीब 98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह मामला बिटकॉइन के इस्तेमाल के जरिए निवेशकों के पैसे से धोखाधड़ी से संबंधित है। ईडी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई का जुहू स्थित फ्लैट है, जो शिल्पा शेट्टी के नाम पर है और पुणे का बंगला है. जो राज कुंद्रा के नाम पर है। इसके अलावा जब्त संपत्ति में इक्विटी शेयर शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया है कि करीब 97.79 करोड़ रुपये की इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया गया है।

भाग-1

संघ और मुसलमानों को करीब लाने वाले व्यक्ति से विशेष बातचीत

संघ का वादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का और इरादा अखंड भारत का

अभिनय आकाश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 2025 में जिसकी उम्र 100 बरस हो जाएगी। इतिहास के पन्नों से गुलाम हिन्दुस्तान की यादों में हिंदुत्व की आस्था से भारतीयता की भावना में रचे-बसे इस संगठन का जन्म तो 99 साल पहले हुआ था। उस वक्त सिर्फ 12 लोग थे लेकिन आज करोड़ों-करोड़ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद संगठन की हामी हैं। संघ का इरादा अखंड भारत का है और संघ का वादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पन्नों के इर्द-गिर्द ही केंद्रित रहता है। आरएसएस की छवि मुस्लिम विरोधी बनाई गई है, जबकि उसके साथ बड़ी संख्या में मुस्लिम भी जुड़े हुए हैं। इसके लिए संघ का ही एक संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच काम कर रहा है। आरएसएस के कार्यकारिणी सदस्य एवं एमआरएम के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार जी के साथ हमने खास बातचीत की है।

प्र. आखिर संघ में किसी बड़े पद पर कोई मुसलमान क्यों नहीं?

उ. अब कोई महिलाओं की पार्टी में गया और वहां पूछा कि वहां कोई पुरुष अध्यश्र क्यों नहीं है? तो मजाक ही लगेगा ना। अब मुस्लिम लीग के बारे में अगर पूछ लिया गया कि क्या उसमें कोई गैर मुस्लिम या ईसाई कोई अध्यक्ष है। ईसाईयों की संस्था से जाकर पूछिए कि आपके यहां कोई मुसलमान अध्यक्ष क्यों नहीं बने। आपने मुसलमानों से जाकर पूछा कि आपके यहां कोई बौद्ध, जैन, सिख, राधा स्वामी, निरंकारी क्यों नहीं अध्यक्ष बने। दूसरी बात जब हम कहते हैं मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। देश के अंदर दुनिया में ये रिवाज क्यों नहीं बनता कि किसी भी मजहब का फेस्विटवल है, उसमें जाना चाहिए। वहां के नियम या कायदा के अनुसार जो भी छोड़ा बहुत पूजा पाठ करना चाहिए, प्रसाद मिलता है तो उसे ग्रहण करना चाहिए। परंतु आज ये प्रश्न खड़ा होता है कि मंदिरों के अंदर कितना मुसलमान जाता है। चर्च में कितना मुसलमान जाता होगा। राधा स्वामी में कितना मुसलमान जाता होगा। गुरुद्वारों में कितना मुसलमान जाता होगा। जब ऐसे प्रश्न खड़ा करेंगे। तो ये भी सवाल उठेंगे। हरेक को लगेगा कि मैं भी जवाबदेह हूं।

प्र. आरएसएस इस्लाम को किस नजरिए से देखता है?

उ. वसुधैव कुटुंबकम पूरा विश्व एक कुटंब है। इसलिए किसी भी जाती के हैं। किसी भी दल के हैं। किसी भी धर्म-पंत विशेष के हैं। किसी भी भाषा-भूगोल के हैं। हम सब एक ही हैं। वी शुड लीव एज ब्रदर एंड सिस्टर। इस रूप में सबको जीना चाहिए। इस बात को संघ भी मानता है। इसी के साथ साथ दूसरी बात और भी है। भारत की धरती की ये संस्कृति है। इस समाज का ये चरित्र है। वो ये है कि धर्मांतरण नहीं धर्मों का सम्मान। इसलिए जितने भी मत पंत हैं वो सब एक ही ईश्वर की ओर ले जाने का मार्ग है। संघ इस बात को मानता था है और रहेगा कि इस देश के नागरिक की पहचान या दुनिया के अंदर नागरिक की पहचान धर्म, पंथ,जाति से नहीं है। उसकी पहचान उसके वतन से है। जैसे इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, इटली, यूनान यहां से लोग आए हैं तो ये नहीं कहते हैं कि ईसाई प्रोटेस्टेंट आए हैं। यही कहते हैं कि ब्रिटिश आया है, अमेरिकन आया है या यूनानी आया है। इसी तरह अरब, तुर्किस्तान, ईरान, इराक से आने वालों को मुसलमान शिया या सुन्नी कहकर संदर्भित नहीं करते हैं। यही कहते हैं कि अरबी, तुर्की, ईरानी, इराकी है। भारतीय के बारे में भी यही कहते हैं। इसके जरा नाम अधिक हैं। इस धरती को आर्यव्रत से लोग कहते हैं यहां के लोग आर्य हैं। भारत वर्ष से भारतीय कहते हैं। हिंदुस्तान से हिंदुस्तानी कहते हैं। हिंद से हिंदी-हिंदू कहते हैं। इंडिया से इंडियन कहते हैं। ये नाम देश वाचक और राष्ट्र वाचक हैं। भारत के 140 करोड़ लोग हिंदुस्तानी, भारतीय, इंडियन थे हैं और रहेंगे। बाद में हम मुसलमान, हिंदू, सिख, निरंकारी, या कोई और धर्म को मानने वाले हैं।

प्र. क्या आरएसएस कोई कदम ले रही है कि उनके समाज की कल्पना की सही छवि लोगों तक पहुंच जाए। वरना संघ के नाम पर नफ़रत फ़ैलाने वालों की कमी नहीं है।

उ. संघ के नाम पर जितनी नफरत फैलाई गई वो घटती घटती जा रही है। अगर आप इसे वोट के पैमाने से देखना चाहते हो तो उसे वैसे भी देख सकते हो। अगर आप इसे समाज के अंदर उसकी प्रतिष्ठा के ऊपर कोई जनमत एकट्ठा करना चाहे तो वो भी कर सकते हैं। लोग समझते हैं कि सबसे अनुशासित पार्टी है। सबसे कैरेक्टरफुल पार्टी है। समाजसेवी पार्टी है। दूसरे का अहित नहीं करती है। छुआछूत मिटाती है। प्रदूषण के खिलाफ काम करती है। उनके रटे रटाए राग हैं गाली दो-गाली दो। ये केवल बहकाने वाली और बांटने वाली राजनीति का दुष्परिणाम है। **(क्रमशः)**

आज डाले जाएंगे वोट, अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टी रवाना

दंतेवाड़ा। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को प्रथम चरण के तहत मतदान होगा। शुक्रवार सुबह 7 बजे से 03 बजे तक मतदान की प्रक्रिया जारी रहेगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है। जिले में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है, ताकि मतदान प्रक्रिया शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न हो सके।

जिले के अत्यंत सुदूर और अति संवेदनशील 03 मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल को हेलीकॉप्टर से रवाना किया गया है। इन तीन मतदान केंद्रों में नीलावाया-267, बुरगुम- 268 और पोटाली-269 शामिल हैं। इससे पहले आज सुबह 5:30 बजे स्ट्रांग रूम डाइट परिसर में मतदान दल के कर्मियों को ईवीएम मशीन दिया गया। दंतेवाड़ा कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने मतदान दलों का मनोबल बढ़ाया और सफल निर्वाचन के लिए शुभकामनाएं देकर उन्हें रवाना किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने कहा आप सभी लोगों ने पूरे मन से मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। मतदान दल के कर्मी अच्छे और शांत मन से निर्वाचन कराएं। निर्वाचन संबंधी किसी प्रकार की कोई भी समस्या हो तो जिला प्रशासन को अवगत करा सकते हैं। मतदान दल के लिए कैंप में रुकने सहित मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए गए हैं।

इस दौरान मतदान दलों में लोकसभा चुनाव कराने को लेकर उत्साह देखने को मिला। कलेक्टर ने

विधानसभा निर्वाचन और मतदान दल के कर्मियों के रूप निर्वाचन कार्य कर चुके सदस्यों के बारे में जानना चाहा। इस मौके पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर श्री जयंत नाहटा और अपर कलेक्टर राजेश पात्रे समेत जिले के अन्य निर्वाचन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

बस्तर लोकसभा चुनाव का उत्साह, मतदान कर्मियों को गुलाब का फूल देकर किया रवाना

बस्तर। लोकसभा चुनाव में प्रथम चरण के मतदान के लिये मतदान केंद्रों तक सभी मतदानकर्मियों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। सभी मतदान कर्मी अपने अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो चुके हैं। बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम और बस्तर एसपी शलभ सिन्हा ने सभी मतदानकर्मियों को गुलाब का फूल देकर पोलिंग स्टेशन के लिए भेजा।

बस्तर में चुनाव को लेकर चुनाव कर्मी भी उत्साहित नजर आए और मतदान प्रक्रिया को अच्छे से संपन्न कराने की बात कही। मतदानकर्मियों में पुरुष के साथ ही महिला मतदानकर्मी भी शामिल हैं।

बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के। ने बताया कि चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना किया जा रहा है। सभी मतदान कर्मियों ने मतदान कराने की पूरी सामग्री ले ली है। धीरे धीरे सभी की रवानगी की जा रही है। सभी मतदानकर्मी शाम से पहले अपने अपने मतदान केंद्र पहुंच जाएंगे। विश्वास है कि मतदान केंद्रों में इस बार मत प्रतिशत में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

बस्तर एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि मतदानकर्मियों को सुरक्षित तरीके से रवाना किया जा रहा है। सुरक्षाबल के जवान उनकी सुरक्षा में तैनात हैं। मतदनकेन्द्रों तक आरओपी लगाया गया है। मतदान केंद्रों में भी बड़ी संख्या में सुरक्षा के लिहाज से जवानों को तैनात किया गया है। निश्चित ही भय मुक्त होकर मतदानकर्मी अपने अपने क्षेत्रों में मतदान की प्रकिया को पूरा कराएंगे।

बस्तर जिले में कुल 3 पूर्ण विधानसभा क्षेत्र बस्तर विधानसभा, जगलपुर विधानसभा और चित्रकोट विधानसभा है। एक आंशिक विधानसभा नारायणपुर विधानसभा का भी कुछ हिस्सा भी बस्तर जिले में पड़ता है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप से जुड़े सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई

■ दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग के सुपेला थाना क्षेत्र के वीआईपी कैफे (हुक्काबार) में छापामारी के दौरान पुलिस महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से जुड़े बड़े सटोरियों तक पहुंच गई है। पुलिस ने पहले ही कैफे संचालक दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया है। अब पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक केनरा बैंक वैशाली नगर का कर्मचारी है और दूसरा उसका सहयोगी है। इस मामले का मास्टर माइंड आरोपी रिक्की पारख और उसका भाई पुलिस की पहुंची से अभी बाहर हैं। आरोपी रिक्की पारख महादेव ऑनलाइन सट्टा के संचालक सौरभ चंद्राकर का करीबी बताया जा रहा है।

दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने एक विशेष टीम बनाकर जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान सूचना मिली कि इस काम में केनरा बैंक का कर्मचारी संतोष कुमार कोसरे और उसका सहयोगी कुणाल उर्फ कुनाल सोनी शामिल हैं। पुलिस ने दोनो आरोपियों को घेराबंदी कर सुपेला के गंदा चौक के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

सुपेला पुलिस ने बीते दिनों अवैध हुक्काबार संचालन की जानकारी मिलने पर देर रात दबिश देकर कार्रवाई की थी। इस दौरान हुक्काबार संचालक भाईयों को गिरफ्तार किया था। पुलिस को हुक्काबार में तलाशी के दौरान ऑनलाइन सट्टे से जुड़े सुराग

हाथ लगे थे। सुपेला कोसा नगर भिलाई निवासी प्रियांशु निले ने सुपेला थाने में शिकायत दर्ज की दी थी कि गुरुशरण और कुणाल सोनी नाम के दो लोगों ने उसे गुमराह करके उसके नाम पर एक बैंक खाता खोला है। उन्होंने उसके नाम की एक फर्जी सिम खरीदा है। अब वे उसके खाते में लाखों का ट्रांजेक्शन कर रहे हैं।

पुलिस के पुछताछ में आरोपी संतोष कोसरे ने बताया कि वह केनरा बैंक की वैशाली नगर ब्रांच में संविदा कर्मचारी है। और कुणाल को मदद से गरीबों को गुमराह कर उन्हें 2 से 4 हजार रुपए का लालच देकर बैंक लाता था। दोनों उनके नाम से फर्जी सिम खरीदकर करके फर्जी बैंक अकाउंट खोलवाते थे। इसके बाद इस अकाउंट का इस्तेमाल महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से जुड़े सटोरियों को 40 से 50 हजार रुपए में बेच देते थे। उनके बताए फर्जी खातों में अब तक महादेव ऐप के 8 से 9 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन किया जा चुका है।

हाथियों ने आधा घंटा रोड रखा जाम गांव के पास ही जमाया है डेरा

■ वन विभाग ने दी ये चेतावनी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में हाथियों ने सड़क पार करते हुए जाम लगा दिया। आधा दर्जन से अधिक हाथियों को देखकर राहगीरों की भी भीड़ एकत्रित हो गई और हाथियों को देख रुकने के बाद कई लोगों ने अपने मोबाइल पर इस दृश्य को कैद किया। घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को रोका।

ये पूरी घटना कटघोरा वन मंडल के कोरबी-चोटिया मार्ग की है। घटना बुधवार देर शाम का बताई जा रही है। एक के बाद एक हाथी सड़क पार कर रहे थे। जहां हाथियों को देख लोग 500 मीटर पहले ही रुक गए। बताया जा रहा है कि हाथी जब सड़क पार कर रहे थे इस दौरान एक चार पहिया वाहन गुजरने ही वाला था कि ड्राइवर की नजर हाथियों पर पड़ी और उसने वाहन को रोका और बैक गेयर लेते वापस गया। इसके बाद से राहगीर रुक गए और हाथियों को सड़क पार करते हुए अपने मोबाइल में वीडियो कैद किया।

बताया जा रहा है कि हाथी अलग-अलग झुंड में इस इलाके में विचरण कर रहे हैं। कभी हाथी सड़क के इस बार तो कभी उसे पर हो रहे हैं यह नजारा पिछले तीन से चार दिनों से बना हुआ है। बताया जा रहा है की हाथियों का झुंड जिस इलाके से गुजर रहा है वहां दहशत का माहौल बना हुआ है। गांव से महज 500 मीटर की दूरी पर हाथियों ने डेरा जमाया हुआ है।

वन विभाग की टीम को सूचना मिलते ही घटना स्थल पहुंची और लोगों को आवाज ना करने से रोका। करीब आधे घंटे तक सड़क जाम रहा। हाथियों के झुंड में दो बेबी एलिफेंट भी शामिल हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों को चेतावनी दी है कि शाम होते ही जंगल की ओर न जाएं। वहीं, किसी तरह का हाथियों के साथ छेड़छाड़ ना करें।

दामन गांव में हार रहा लोकतंत्र, विफल रही सरकारें, नाकाम रहा सिस्टम

■ गवाही दे रहे गांव के युवा-बुजुर्ग

दंतेवाड़ा। समूचे भारत वर्ष में लोकतंत्र के महापर्व की तैयारी जोरों पर चल रही है। छत्तीसगढ़ के बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को होने वाले प्रथम चरण के मतदान के आम मतदाता उत्साहित हैं। लेकिन दंतेवाड़ा जिले में एक गांव ऐसा भी है, जहां के लोग चाहकर भी मतदान नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इनकी कोई पहचान नहीं है। इनके पास न तो आधार कार्ड है, न ही राशन कार्ड है, और न ही मतदान पहचान पत्र है।

हम बात कर रहे हैं कुआकोंडा ब्लॉक के गुमियापाल पंचायत के आश्रित ग्राम दामन की। यह गांव सरकारी दावों को ठेंगा दिखा रहा है। गांव के बुजुर्ग देवा मीड़यामी बताते हैं कि उनकी उम्र लगभग 75 साल हो चुकी है, लेकिन उन्होंने आज तक मत का प्रयोग नहीं किया है। उन्हें नहीं पता कि कौन सा चुनाव है, किसलिए हो रहा है, क्यों हो रहा है। वह किसी नेता को भी नहीं जानते, वह जानते हैं तो सिर्फ सरपंच को, जो गांव में गाहे-बगाहे आता है।

गांव में अधिकांश लोग गोंडी ही बोलते हैं। 10वीं पास हड़मा कहता है कि गांव में कभी कोई जागरूकता दल नहीं आया और न ही मतदान पहचान पत्र बनाए गए। गांव के लोगों को नहीं मालूम कि

वोट कब होना है। इन लोगों ने कभी वोट नहीं किया। वहीं समेली गांव के जागरूक नागरिक लिंगा कोड़ोपी ने बताया कि इस गांव तक कभी शासन-प्रशासन पहुंचा ही नहीं। सड़क से महज पांच किमी की दूरी पर स्थित दामन गांव एक बार फिर से लोकतंत्र के महापर्व में वंचित हो जाएगा।

कलेक्टर ने कही जांच की बात

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने मतदान दलों की स्थिति की पूरी जानकारी दी लेकिन गुमियापाल के आश्रित ग्राम पर जानकारी लेने के बाद ही कुछ कहने की बात कही। उन्होंने तत्काल तहसीलदार को बुलाया और दामनपारा की जानकारी लेने की बात कही। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा ऐसा हो नहीं सकता कि कोई पारा मतदाता पहचान पत्र के बगैर हो। इस मामले की गहराई से जांच करवाई जाएगी।

पूर्व आईपीएस मुकेश गुप्ता को हाईकोर्ट से राहत, लोक आयोग की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए प्रकरण किया निरस्त

बिलासपुर। पूर्व आईपीएस मुकेश गुप्ता के मामले में हाईकोर्ट ने लोक आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाकर दर्ज प्रकरण निरस्त करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने याचिकाकर्ता माणिक मेहता को नए सिरे से विधिवत याचिका दायर करने की छूट भी दी है. रायपुर निवासी माणिक मेहता ने मुकेश गुप्ता के खिलाफ साल 2020 में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने मिक्की मेहता मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर राज्य शासन से तीन करोड़ रुपए का अनुदान लिया था. इस अनुदान राशि के जरिए गरीबों के लिए मोतियाबिंद का ऑपरेशन नि:शुल्क कराया जाना था, लेकिन मुकेश गुप्ता ने इस रकम का इस्तेमाल अपने पर्सनल लोन पटाने में किया. साथ ही लोक आयोग, एसीबी और ईओडब्ल्यू में मुकेश गुप्ता के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी. इसकी प्रति तत्कालीन मुख्यमंत्री को भी दी गई थी. शिकायती पत्र के आधार पर लोक आयोग ने गुप्ता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और अपने पद के दुरुपयोग का मामला दर्ज कर लिया था. शिकायत में कहा गया था कि मुकेश गुप्ता ने गरीब तबके को चिकित्सीय सुविधा दिलाने के नाम पर अपने पद और प्रभाव का दुरूपयोग किया और छत्तीसगढ़ सरकार से तीन करोड़ रुपए का अनुदान हासिल किया. लेकिन अनुदान राशि से चिकित्सीय सुविधा के बजाय बैंक का कर्ज अदा करके वित्तीय अनियमितता की गई. साथ ही चेरिटेबल ट्रस्ट का संचालन निजी लाभ के लिए किया जाता रहा. मानिक मेहता की शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू ने भी अपने प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर निलंबित आईपीएस अधिकारी मुकेश गुप्ता, एमजीएम के मुख्य ट्रस्टी जयदेव गुप्ता और डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल के विरूद्ध भादवि की धारा 420, 406, 120 (बी) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया था.

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

महासमुंद के सियासी रण में मोदी दिखाएंगे 23 को दम

धमतरी। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान बस्तर लोकसभा सीट पर होगा। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होना है। 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ की तीन सीटों के लिए वोटिंग होगी। जिन सीटों पर वोटिंग होगी उसमें महासमुंद, राजनांदगांव और कांकेर लोकसभा सीट शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अप्रैल को धमतरी के स्यामतराई में एक विशाल आम सभा को संबोधित करेंगे। बीजेपी की कोशिश है कि धमतरी की धरती से तीनों लोकसभा सीटों को एक साथ पीएम की सभा से साधा जाए। पीएम की होने वाली सभा को लेकर बीजेपी के कार्यकर्ता उत्साह में हैं। पीएम की सभा को सफल बनाने के लिए बीजेपी के नेता अभी से काम पर जुट गए हैं। पार्टी ने सभा की तैयारियों को लेकर एक बैठक भी की है। धमतरी में पीएम की सभा कराने के लिए लंबे वक्त से बीजेपी के नेता लगे थे। लंबे इंतजार के भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान ने पीएम के दौरे को हरी झंडी दे दी है। महासमुंद लोकसभा सीट से बीजेपी ने रुप कुमारी चौधरी को मैदान में उतारा है।

रायगढ़ कांग्रेस प्रत्याशी मेनका सिंह ने भरा नामांकन

रायगढ़। रायगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मेनका सिंह ने अपना नामांकन भरा है।नामांकन रैली में सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान रायगढ़ प्रत्याशी के साथ पूर्व मंत्री उमेश पटेल, पूर्व विधायक मंत्री यूडी मिंज, सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े, धरमजयगढ़ विधायक लालजीत सिंह राठिया, जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष अनिल शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष अरुण मालाकार भी मौजूद थे। मेनका सिंह तत्कालीन सारंगढ़ रियासत के राजा नरेश चंद्र के परिवार से संबंध रखती हैं। रायगढ़ से लोकसभा की सांसद रह चुकी पुष्पा देवी की छोटी बहन हैं। मेनका सिंह लंबे समय से कांग्रेस में रहकर कार्य कर रही हैं।साल 2019 में लोकसभा चुनाव में भी मेनका सिंह का नाम उम्मीदवार के तौर पर सामने आया था।मेनका सिंह के सामने बीजेपी के अनुभवी नेता राधेश्याम राठिया हैं। जिन्हें चुनाव में हराने के लिए कांग्रेस को एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। सारंगढ़ बिलाईगढ़ में संगठन क्षमता और योग्य प्रत्याशियों के दम पर जिले की दोनों सीटें कांग्रेस ने जीती हैं।

ना जमीन जायदाद, फिर भी हर चुनाव में आजमायी किस्मत

जांजगीर चांपा । छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में एक ऐसा शख्स है, जो हर चुनाव में अपनी किस्मत आजमाता है।लेकिन इस बार शख्स ने अपनी जगह बहू को चुनाव मैदान में उतारा है। इस प्रत्याशी ने अपनी बहू के लिए समाज के लोगों को ही प्रस्तावक बनाया है। जहां एक ओर जांजगीर चांपा लोकसभा से दिग्गज मैदान में हैं, वहीं दूसरी ओर भूमिहीन प्रत्याशी ने अपने पशुओं को बेचकर चुनाव की तैयारी की है। इस चुनाव में अब बहू दिग्गजों के बीच ताल ठोकेगी। हर चुनाव में अपना दमखम दिखाने वाले शख्स का नाम मयाराम नट है। जिसे यहां की स्थानीय भाषा में डंगचगहा कहा जाता है। जांजगीर चांपा जिले के महंत गांव में रहने वाले मया राम नट घूमतु समाज से हैं।इनकी पीढ़ी बॉस के डांग में करतब दिखाते आ रही है। जिन्हे नट या डंगचगहा भी कहते हैं। मयाराम नट को करतब के लिए तो पहचाना ही जाता है। मयाराम नट जांजगीर चांपा जिला में चुनाव लड़ने के ही कारण फेमस है। 2001 से मयाराम नट किसी ना किसी चुनाव में भागीदारी जरुर निभा रहे हैं।

नक्सलियों ने दीवारों पर लिखा चुनाव बहिष्कार का नारा

सुकमा। बस्तर लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। अब तक सड़क किनारे और गांवों के आसपास लोकसभा चुनाव बहिष्कार के पर्चे फेंकने वाले नक्सली अब मतदान केंद्रों तक भी पहुंचने लगे हैं। बस्तर संभाग के सुकमा जिले में बने मतदान केंद्र में दीवारों पर नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार का नारा लिखा है। मंगलवार को नक्सलियों ने यह नारा सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के नागाराम संकुल केंद्र के केरलापेदा में बने मतदान केंद्र में लिखा है। नक्सलियों ने लिखा है इस मतदान केंद्र में कोई जनता वोट नहीं डालेंगे। किसके लिए नेता बनाना है। नेता अपने पेट के लिए बनाते हैं। नेता जनता को मारपीट करते हैं। सुकमा जिले के केरलापेदा मतदान केंद्र में शुक्रवार सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो जाएगी। 791 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 446 महिला मतदाता व 345 पुरुष मतदाता शामिल हैं। दोपहर 3 बजे तक नक्सल इलाकों में वोटिंग होगी। नक्सलगढ़ में मतदान को लेकर चुनाव आयोग की तैयारी पूरी हो चुकी है।

बिलासपुर में बीजेपी प्रत्याशी तोखन साहू ने भरा नामांकन

बिलासपुर। लोकसभा प्रत्याशी तोखन साहू के नामांकन रैली में सीएम विष्णुदेव साय शामिल हुए। सीएम विष्णुदेव साय ने इस दौरान कहा कि पूरे प्रदेश बीजेपी के पक्ष में माहौल बना हुआ है। इस बार प्रदेश की सभी सीटों पर बीजेपी जीत दर्ज करेगी। मोदी की गारंटी और गारंटी की गारंटी पर जनता को भरोसा है। यही वजह है कि देश में फिर से मोदी की सरकार आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के वादों और उसे पूरा करने की इच्छा शक्ति को देखते हुए ही आज देश में सब तरफ बीजेपी की लहर है।फिर एक बार नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनेंगे।इस दौरान डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस पर हमला बोला। अरुण साव ने कहा जब कांग्रेस जीतती है तो ईवीएम पर ब्लेम नहीं करती और हारने के बाद पूरा ठीकरा ईवीएम पर फोड़ती है। जब जीते हैं तो फिर क्यों नहीं कहते कि ईवीएम खराब था, इसलिए जीत गए। इससे पहले सीएम विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव ने बिलासपुर लोकसभा प्रत्याशी तोखन साहू के नामांकन प्रक्रिया में शामिल हुए।

40 साल पुराने सड़क पर अवैध निर्माण

रायपुर/दुर्ग। पुलिस प्रशासन की खौफ न होने से भू-माफिया बेलगाम हैं। कहीं पर भी कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला दुर्ग जिले के शांति नगर इलाके का है। यहां सड़क नंबर 26 वार्ड 10 में आम रास्ते में बाउंड्रीवाल बनाकर निर्माण कर दिया गया है। आने-जाने वाले आम रास्ते में अवैध निर्माण करने से मोहल्लेवाली परेशान हैं। लोगों ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर दुर्ग से की है। कार्रवाई न होता देख लोग सीएम विष्णुदेव साय से भी मामले की शिकायत करने की तैयारी में है। इसके अलावा इस मामले की शिकायत वैशाली नगर जोन कमिश्नर और थाना प्रभारी से की गई है। इसके बाद भी प्रशासन मौन है। कार्रवाई न करने से निर्माणकर्ता के हौसले बुलंद हैं। 15 फीट रोड पर निर्माण कार्य जारी है।

शिकायत पत्र में लोगों ने चिन्हित स्थान का तत्काल सत्यापन कर अवैध निर्माण पर स्थगन आदेश जारी करने की मांग की है।

लोगों ने जनहित में आम रास्ता को मोहल्लेवासियों के लिए अतिक्रमणमुक्त करने और कांक्रीटीकरण कर सड़क बनाने की मांग की है। शिकायतकर्ता स्वरूप सिंह, दिलीप सिंह और मोहल्ले वालों ने बताया है कि नक्शा में जिस जगह को सड़क के लिए छोड़ा गया है, उस पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। फिलहाल, इसके खिलाफ कलेक्टर से शिकायत की गई है पर अब तक विभाग मौन है। मामले में जांच शुरू नहीं हुई है। इस बीच निर्माण होने से आम रास्ता बंद है। दुर्ग कलेक्टर के निर्देश पर जांच होने के बाद ही साफ होगा कि जिस जमीन पर निर्माण हो रहा है। वह असल में सड़क की जमीन है या निजी जमीन है। तहसीलदार, आरआई और पटवारी की ओर से जांच करने के बाद ही सब कुछ साफ हो पायेगा।

शिकायतकर्ता ने बताया है की जमीन की रजिस्ट्री और उसके पहले की रजिस्ट्री में भी 15 फीट रोड का जिक्र है। सीमांकन के प्रपत्रों में उत्तर दिशा चौहद्दी में 15 फीट रोड का उल्लेख है। इसी सड़क पर निर्माण किया जा रहा है, इससे रास्ता बंद हो जाएगा। निमार्णकर्ता हेमंत कुमार ने स्थाई पक्का निर्माण कर अपने निजी भू-खंड को भी शामिल कर लिया है। इस वजह से लोगों ने प्रशासन से जल्द मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत करने वालों ने बताया जान का खतरा

शिकायत करने वालों ने कलेक्टर से शिकायत करते हुए कहा है कि निर्माण के खिलाफ शिकायत किए हैं। इस वजह से उनके जान का खतरा भी है। 40 साल पुराने रास्ते को बंद किया जा रहा है। उन्होंने आरआई और पटवारी की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। भू-माफिया की ओर से मिलकर मोहल्ले के रास्ते को कब्जा किया जा रहा है।

150 से ज्यादा ऑटो चालकों के साथ कलेक्टर ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

बलौदाबाजार। आने वाले लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान को लेकर मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत ऑटो रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर केएल चौहान 151 ऑटो चालकों के साथ स्वयं ऑटो चलाकर 8 किलोमीटर तक रैली निकाली। इसमें बलौदाबाजार और भाटापारा क्षेत्र से ऑटो चालक शामिल हुए। बलौदाबाजार के स्पोर्ट्स स्टेडियम से निकली रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस स्टेडियम में समाप्त हुआ, जहां कलेक्टर ने सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई।

बता दें कि इसके पहले कलेक्टर ने किसानों के साथ ट्रैक्टर रैली का आयोजन भी किया गया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था और इसके लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम भी दर्ज हुआ था। इसके बाद 21 हजार दीपक जलाकर

जागरूकता अभियान चलाया गया।

मीडिया से बात करते हुए कलेक्टर चौहान ने बताया कि शत प्रतिशत मतदान के लिए जिले में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज 151 ऑटो चालकों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में सहायक कलेक्टर आईएएस नम्रता चौबे, जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल, एसडीएम अमित गुप्ता, डीएसपी निधि नाग सहित कई अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री ने बस्तर के मतदाताओं को सुरक्षा इंतजाम को लेकर किया आश्वस्त

रायपुर। लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए शुक्रवार को होने वाले मतदान से एक दिन पहले उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी मतदाताओं से मतदान करने का अपील की है। बस्तर के मतदाताओं को उन्होंने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम के प्रति आश्वस्त करते हुए कहा कि निर्भीक होकर अपने घरों से निकलकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी आहुति दें। ये आपका अधिकार है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरकार की तरफ से मतदान के लिए पूरी तैयारी की गई है। निर्वाचन आयोग अपनी पूरी तैयारी कर ली है। लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने अधिकार का आवश्यक उपयोग करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बस्तर की शांति और खुशहाली के लिए, बस्तर के विकास के लिए आगे बढ़े। नरेंद्र मोदी जी का हाथ मजबूत करें, और बीजेपी को जीतना है।

बस्तर में निष्पक्ष मतदान के लिए चुनाव आयोग ने किया पुख्ता इंतजाम

रायपुर। लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में

बस्तर सीट पर 19 अप्रैल को होने वाले मतदान की चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले ने बस्तर में होने वाले चुनाव के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए क्षेत्र के मतदाताओं से निष्पक्ष रूप से मतदान करने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले ने बस्तर में होने वाले प्रथम चरण के चुनाव की जानकारी देते हुए बताया कि 196 संवेदनशील मतदान केंद्र है, जिसकी सुरक्षा को लेकर चुनाव आयोग पूरी तरह सजग है। वहीं पूरे बस्तर में 300 कंपनियां तैनात की गई हैं। पिछले एक हफ्ते से 60 हजार जवान तैनात हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि बस्तर सीट से 11 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनके लिए 1961 मतदान केंद्र में मतदाता मतदान करेंगे। बस्तर लोकसभा में कुल 14 लाख 72 हज़ार 207 मतदाता हैं। लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 6 विधानसभाओं में सुबह 7 से 3 बजे तक, वहीं बस्तर और जगदलपुर में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वहीं 800 मतदान केंद्रों में वेब कास्टिंग की जाएगी।

बसपा ने जारी की छत्तीसगढ़ के लिए प्रत्याशियों तीसरी लिस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में बसपा ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। चुनावी रण में बहुजन समाज पार्टी बीजेपी और कांग्रेस को टक्कर देगी। बसपा ने छत्तीसगढ़ के लिए एक और सूची जारी कर दी है। इसमें प्रदेश के तीन लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। रायपुर लोकसभा सीट से ममता रानी साहू, दुर्ग से दिलीप कुमार रामटेके और कोरबा से दूजराम बौद्ध को प्रत्याशी बनाया है।

पूर्व आईपीएस मुकेश गुप्ता को हाईकोर्ट से राहत

बिलासपुर। पूर्व आईपीएस मुकेश गुप्ता के मामले में हाईकोर्ट ने लोक आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाकर दर्ज प्रकरण निरस्त करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता माणिक मेहता को नए सिरे से विधिवत याचिका दायर करने की छूट भी दी है। रायपुर निवासी माणिक मेहता ने मुकेश गुप्ता के खिलाफ साल 2020 में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने मिक्की मेहता मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर राज्य शासन से तीन करोड़ रुपए का अनुदान लिया था। इस अनुदान राशि के जरिए गरीबों के लिए मोतियाबिंद का ऑपरेशन निःशुल्क कराया जाना था, लेकिन मुकेश गुप्ता ने इस रकम का इस्तेमाल अपने पर्सनल लोन पटाने में किया। साथ ही लोक आयोग, एसीबी और ईओडब्ल्यू में मुकेश गुप्ता के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी।

नक्सलियों के खात्मे के लिए कांग्रेस का खात्मा जरूरी : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव बोले- अब खून से लाल नहीं होने देंगे बस्तर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 29 नक्सली ढेर हुए थे। इसके बाद कुछ राजनीतिक दलों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताया और मुठभेड़ की जांच की मांग की। वहीं, इस पर पलटवार करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, नक्सलियों को शहीद बताने वाले 29 नक्सलियों के मुठभेड़ में मारे जाने को फर्जी एनकाउंटर बताने वाले और मुठभेड़ की जांच की मांग करने वाले कांग्रेसी अब यह साफ-साफ जान लें कि बस्तर की जनता विकास की समर्थक है।

सीएम साय ने कहा, अब यह स्पष्ट हो गया कि नक्सलियों के खात्मे के लिए कांग्रेस का खात्मा जरूरी है और इसकी शुरुआत बस्तर की जनता 19 अप्रैल को करने जा रही है। सीएम साय ने कहा, कांकेर मुठभेड़ को लेकर जिस तरह के बयान कांग्रेस नेताओं ने दिए हैं, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि नक्सलियों को पाल-पोसकर संरक्षण देने का काम कांग्रेस हमेशा करती रही है जो अब बस्तर की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के निर्दोष बेटों के खून से बस्तर की धरती को लाल किया है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, लोकसभा के इस चुनाव में कांग्रेस के सफाए के साथ प्रदेश की भाजपा सरकार नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने जा रही है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बहुत जल्द छत्तीसगढ़ के नक्सलवाद से मुक्त कराएगी। साय ने कहा कि नक्सलियों के सबसे सुरक्षित किले में घुसकर एक साथ 29 नक्सलियों को मार गिराना ऐतिहासिक सफलता है। नक्सलियों पर की गई यह सबसे बड़ी

सर्जिकल स्ट्राइक है।

तीसरा नामांकन आज दाखिल करेंगे चिंतामणी रैली में शामिल होंगे सीएम विष्णुदेव साय

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कल यानी 19 अप्रैल को अंबिकापुर में भाजपा प्रत्याशी की नामांकन रैली में शामिल होंगे। संयुक्त रूप से भाजपा सरगुजा लोकसभा संयोजक कमलभान सिंह व सह संयोजक अखिलेश सोनी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा सरगुजा लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणी महाराज की 19 अप्रैल को अंबिकापुर में होने वाली नामांकन रैली में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णदेव साय सहित कैबिनेट मंत्री, विधायक व भाजपा नेता शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि नामांकन रैली में सीएम विष्णुदेव साय के साथ कृषि मंत्री रामविचार नेताम, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, लोकसभा क्लस्टर प्रभारी बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, सह क्लस्टर प्रभारी रामसेवक पैकरा, संभागीय संगठन प्रभारी राजा पांडेय, लोकसभा चुनाव प्रभारी लखन लाल साहू, सह प्रभारी चंपा देवी पावले, जिला सरगुजा प्रभारी ज्योति नंद दुबे, लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, सूरजपुर विधायक भुलन सिंह मरावी, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, सूरजपुर जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल तथा बलरामपुर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी, नेता व हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि नामांकन रैली सुबह 10:30 बजे स्थानीय अग्रसेन भवन के पास से निकलकर अग्रसेन चौक, जय स्तंभ चौक, सदर रोड होते हुए महामाया चौक, संगम चौक, देवी गंज रोड होते हुए, घड़ी चौक फिर कला केंद्र मैदान पहुंचेगी, जहां विजय संकल्प जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अन्य नेताओं के उद्बोधन के बाद समाप्त होगी। इस दौरान भाजपा सरगुजा लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणी महाराज अपना तीसरा नामांकन दाखिल करेंगे।

भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने दाखिल किया नामांकन, सीएम और उपमुख्यमंत्री रहे मौजूद

कोरबा। कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव व अन्य मंत्री मौजूद रहे। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के लिए कोरबा और बस्तर ही नहीं, बल्कि सभी सीटें काफी अहम हैं और हम सभी सीटों को जीतेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में भाजपा के कार्यों से लोगों में उत्साह है और वे हमें समर्थन दे रहे हैं। सीएम साय ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल काफी हताशा में हैं, इसलिए आए दिन उनके उल्टे सीधे बयान सामने आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को खाता खोलने का अवसर भी नहीं मिलने वाला है। कांकेर जिले में 29 नक्सलियों के मारे जाने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि इनमें से पांच नक्सली पर 50 लाख का इनाम घोषित था। सुरक्षा बल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई घातक हथियार भी बरामद किए हैं। इससे पहले सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करने वाली कांग्रेस छत्तीसगढ़ में नक्सली घटनाक्रम को लेकर भी सवाल उठा रही हैं, यह अपने आप में चिंता की बात है।

भाजपा कार्यकर्ता की हत्या के पीछे नक्सलियों की मंशा पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उठाया सवाल

■ **कहा- आखिर भाजपा कार्यकर्ता ही क्यों निशाने पर हैं?**

रायपुर। बस्तर में नक्सलियों के भाजपा कार्यकर्ता की हत्या पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि मैं भी जानना चाहता हूं कि भाजपा कार्यकर्ता ही निशाने में क्यों हैं? यह नक्सलियों की कायरता है। हर व्यक्ति को सुरक्षा नहीं दी जा सकती हैं। हमारे जवान बस्तर में पूरी मजबूती से सामना कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में बस्तर होने वाले चुनाव की तैयारियों पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सली घबराए हुए हैं, बदहवास हैं। उन्होंने फिर से हत्या की है। नारायणपुर में घर में घुसकर मारा है। सिविलियन को मार रहे हैं। दहशत फैलाना चाहते हैं, इसलिए ऐसा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मतदान में जितने

सुरक्षा दल जा रहे हैं, वह सुरक्षित लौटकर आए, यह ईश्वर से प्रार्थना है। सबसे अपील है कि पुलिस के सभी निर्देशों को माने। अति उत्साह में कोई कुछ ना करें। जो सैनिक और सुरक्षाकर्मी हैं, वह भी अति उत्साह में ना आएं। नक्सलियों से संवाद के लिए समिति के गठित करने के विषय पर गृह मंत्री ने कहा कि समिति गठित करने की क्या आवश्यकता है। मैं स्वयं तैयार हूं। समिति को गठित करूं और वह बात करें ऐसी कोई औपचारिकता नहीं है। हम सीधे बात के लिए तैयार हैं। शांति बहाल होनी चाहिए। बस, यही एक भाव हमारी सरकार का है।

कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत के नक्सलियों को शहीद कहने पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पहले राज बब्बर ने भी कहा था। नक्सली जब मारे गए हैं, तो उन्हें लग रहे कि सब कुछ फर्जी हो रहे हैं। जिस समय विभाग ने कहा था 50 नक्सली मारे गए, उसी समय नक्सलियों ने भी प्रेस नोट जारी कर कहा था कि हमारे 50 आदमी शहीद हुए। नक्सली खुद इस बात को कह रहे हैं, और फिर भी कहा जाए कि फर्जी इनकाउंटर है, तो मैं समझ नहीं पा रहा हूं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा नक्सल घटनाओं पर सवाल उठाए जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि भूपेश बघेल को कैसे पता चल रहा है कि यह फर्जी एनकाउंटर है। वहीं भूपेश के पूर्व की घटनाओं पर बयान देने की बात पर कहा कि यह उनका अभी का बयान है।

2 लाख 80 हजार अनियमित कर्मचारियों ने दिया भाजपा को समर्थन

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में शुक्रवार 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान होना है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ एवं समस्त कर्मचारी संगठन ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी को वोट देने का समर्थन पत्र लिखा है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष रवि गढ़पाले ने इस समर्थन पत्र में लिखा- छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा की घोषणा पत्र में मोदी के गारंटी के मुताबिक 100 दिन के भीतर अनियमित कर्मचारियों के लिए कमेटी गठित की जाएगी। सरकार बनने के बाद इस वादे को पूरा कर दिया गया है। जिससे प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को विष्णु के सुशासन पर भरोसा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने 2 लाख 80 हजार कर्मचारियों द्वारा भाजपा को समर्थन देने हेतु आभार जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

किरणदेव ने कहा भाजपा जो कहती है, वह करती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ द्वारा प्रदेश के 2,80,000 अनियमित कर्मचारियों एवं उनके परिवार जनों ने भाजपा को अपना वोट देने के संबंध में समर्थन पत्र दिया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी एवं विष्णु सरकार के सुशासन पर अपना विश्वास जताने वाले अनियमित कर्मचारियों का आभार जताता हूं। निश्चित ही भाजपा ही देशवासियों की चिंता कर हर वर्ग को न्याय देने का काम करती है और करती रहेगी।

लोकसभा चुनाव में बिना वोटर आईडी कार्ड के डाल सकेंगे वोट

रायपुर। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को मतदान होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने बस्तर संसदीय क्षेत्र के अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का समय निर्धारित किया है। इस लोकसभा चुनाव में मतदाता फोटो पहचान पत्र के साथ ही 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी मतदान कर सकेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग के जारी अधिसूचना के अनुसार, बस्तर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोण्डागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल, शुक्रवार को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। इसके अलावा बस्तर विधानसभा क्षेत्र में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसी तरह जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के 175 मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक और 72 मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा, यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो भारत निर्वाचन आयोग ने उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी को मान्य किया है।

ये दस्तावेज प्रस्तुत कर वोट कर सकेंगे

आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड।

कांग्रेस का एक लाख का वादा भी नहीं होगा पूरा : वाणी राव

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के कई नेता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।यही हाल कांग्रेस की वुमेन विंग का भी है।एक-एक करके बड़े शहरों की महिला कांग्रेस से जुड़ी नेताओं ने हाथ का साथ छोड़कर फूल का दामन पकड़ लिया है। रायपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस छोड़कर आई महिला नेताओं ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ जोरदार हमला बोला है।

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई महिला नेताओं ने कहा कि कांग्रेस ने हर कदम पर महिलाओं के साथ धोखा किया है। हर बार छल करना और विश्वासघात कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। कांग्रेस ने महिलाओं को लेकर जितने भी वादे किए उनमें से एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। ये सभी आरोप बिलासपुर की पूर्व महापौर वाणी राव, महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय सचिव और महासमुंद की पूर्व नपा अध्यक्ष अनिता रावटे, महासमुंद की जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा पटेल और अरुणा शुक्ला ने लगाए हैं। बिलासपुर की पूर्व महापौर वीणा

राव ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि दूसरी पार्टियां लोकतंत्र के खिलाफ है। लेकिन खुद पार्टी के अंदर का लोकतंत्र गड़बड़ाया हुआ है। उन्होंने कहा कांग्रेस के अंदर कितनी ही महिलाओं की आवाज को दबा दिया गया। चाहे वो पंचायत स्तर हो या जिला पंचायत स्तर में चुनाव जीतकर आई महिलाएं,किसी की भी बात कांग्रेस के बड़े नेता नहीं सुनते हैं। छत्तीसगढ़ के अंदर महिलाओं के साथ छल और विश्वासघात हो रहा है,ऐसे में इसे कैसे स्वीकार किया जाएगा।

वाणी राव ने आरोप लगाए कि महिला स्व सहायता समूहों से रेडी टू ईट का काम छीनकर ठेकेदारों को दे दिया गया। रेडी टू ईट की मदद से महिलाओं को अपने पैरों में खड़ा होने की मदद मिल रही थी।इसी तरह से महिला और सुरक्षा को लेकर बहुत सी बातें सरकार ने कहीं थी। प्रत्येक थाने में महिला सेल की स्थापना करेंगे। लेकिन आज तक ऐसे कितने थानों में महिला सेल की स्थापना हुई,आप खुद ही देख लिजिए। कांग्रेस सरकार के 5 साल में महिलाओं को लेकर कोई भी योजना पूरी नहीं की गई।

महासमुंद जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल ने कहा कि कांग्रेस ने सरकार बनने के बाद महिलाओं से जुड़ी एक भी घोषणा पूरी नहीं की। महिलाओं के साथ धोखा और छल किया गया। यदि एक लाख बात की जाए तो वर्तमान में जो कांग्रेस ने जो घोषणा की है उसे पूरा करना संभव नहीं है। कांग्रेस सरकार ने चार सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की थी,वो नहीं मिला। यदि वादा पूरा होता तो 5 साल में 20 सिलेंडर होते,लेकिन गांव की महिलाएं अपना पहला सिलेंडर ही खोज रहीं हैं।

बिना मान्यता के रायपुर में बेधड़क चल रहे स्कूल, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बिना मान्यता के दो प्राइवेट स्कूल सालभर से बेहिचक धड़ल्ले से चल रहे हैं। इस वजह से यहां पढ़ रहे एक हजार से ज्यादा स्कूली बच्चों का भविष्य अधर में है। उनके भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इतना ही नहीं इन दो स्कूलों से पढ़कर दूसरे जगह प्रवेश लिए छात्रों को टीसी भी नहीं दिया जा रहा है। पालकों को टीसी के लिए स्कूल के लिए चक्कर लगवाये जा रहे हैं। इन्हें कभी एक महीने तो कभी 15 दिन तो कभी एक सप्ताह का समय देकर घूमाया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली से जाहिर है कि जब स्कूल मान्यता प्राप्त है ही नहीं तो वो छात्रों को मॉर्कशीट कहां से देंगे। मामले में जिला शिक्षा विभाग उदासीन हैं या यूं कहे कि मौन हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में हैं। चर्चा तो ये भी है कि स्कूल और शिक्षा विभाग की मिलीभगत से ही बिना मान्यता के सालभर अधिक समय होने के बावजूद बेधड़क संचालित हो रहे हैं। नए शिक्षा सत्र में भी कक्षा 9वीं में प्रवेश लिया जा रहा है। बहुत सारे पालकों को इस संबंध में जानकारी ही नहीं है कि ये स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं। जब उन्हें इस बात की जानकारी होती है तो उन्हें स्कूल और जिला शिक्षा कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कार्रवाई के लिए शिक्षा विभाग के दरवाजे खटखटाने पड़ते हैं। कई पालकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि स्कूल में टीसी के लिए आवेदन लगा रखे हैं पर उन्हें टीसी नहीं दिया जा रहा है। इस वजह से वो अपने बच्चों के भविष्य को लेकर परेशान हैं। कहा कि, स्कूल से खिलाफ बोलने पर हमारे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा सकता है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार पर किया हमला

बिलासपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत गुरुवार को बिलासपुर पहुंची। बिलासपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र यादव के नामांकन के लिए पहुंची सुप्रिया ने पत्रकार वार्ता में मोदी सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर व्यापारियों से कम जीएसटी और आम जनता को अधिक जीएसटी वसूलने का आरोप लगाया। इसके साथ ही किसानों के आंदोलन, एमएसपी और मजदूर वर्ग के मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि देश की जनता का पैसा मोदी जी के दोस्तों को कर्ज में दिया गया। उन्हें 16 लाख करोड़ रुपए माफ कर दिया गया। ऐसे में कांग्रेस सरकार में आने के बाद गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपए क्यों नहीं दे सकती। उन्होंने कहा व्यापारियों को जीएसटी 22 फीसदी और आम जनता को 32 फीसदी जीएसटी लेने वाली भाजपा सरकार पहले खुद के अंदर नजर डाले कि, वो किस तरह भारत की जनता का पैसा अपने दोस्तों में उड़ा रहे हैं। इस देश की जनता जब उनसे कुछ मांगती है तो उन्हें वह डंडे से मारते हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने

आरोप लगाया कि देश के किसानों को दिल्ली आने से रोका गया। दिल्ली किसी की व्यक्तिगत जागीर नहीं है, बल्कि दिल्ली देश के हर एक नागरिक की है और वह कभी भी दिल्ली जा सकते हैं। किसानों को रोकने मोदी सरकार ने सड़कों पर दीवार बना दी, रास्ते खुदवा दिए गए, रास्ते में कील लगा दिए गए, उन पर अश्रु गैस छोड़े गए, पानी की बौछार मारी गई और डंडे मार कर उन्हें दिल्ली से भगाना चाहा।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा 700 किसानों की मौत मोदी जी के सर पर है। जब किसान अपनी मांगों से पीछे नहीं हटे तो आखिरकार मोदी जी को अपने तीन काले कानून वापस लेने पड़े। जिस तरह से मोदी सरकार खाद, बीज, दाल, खाने पीने की वस्तुओं पर जीएसटी लगा रही है तो क्या गरीब महिलाओं को कांग्रेस की सरकार सालाना एक लाख रुपए नहीं दे सकती। भाजपा व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी पर काम करती है। व्हाट्सएप में अफवाह फैलाती है और देश की जनता को बेवकूफ बनाती है। भाजपा बार-बार कह रही है कि राहुल गांधी किसानों को एमएसपी में फायदा देंगे। गरीब महिलाओं को एक लाख देंगे। कांग्रेस की देश में सरकार बनेगी तो कृषि को जीएसटी मुक्त करेंगे। एनसीआरबी की रिपोर्ट है कि जितने लोग रोजाना खुदकुशी करते हैं उनमें एक चौथाई यानी 25 प्रतिशत मजदूर होते हैं।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा उबर, ओला, स्विग्गी, जोमैटो में काम करने वाले कर्मचारी 10 मिनट में खाना घर तक पहुंचाने दौड़ते हैं। सड़कों पर यदि उनका एक्सीडेंट हो जाता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उनका परिवार बिखर जाएगा। हाथ पैर टूटने पर उन्हें 4 महीना घर बैठना पड़ेगा। ऐसे लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा का कानून लेकर आएंगे। मनरेगा में 400 रोजी देंगे और डेढ़ सौ दिन तक मनरेगा के मजदूरों को मनरेगा में काम देंगे।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि मोदी जी को देश की जनता के साथ ही देश की सेना से भी माफी मांगनी चाहिए। जवानों की फोटो लगाकर, प्रचार कर रहे हैं। सेना के नाम पर वोट मांग रहे हैं। पुलवामा हमला को लेकर कोई बात नहीं होती। सेना के जवान शहीद हुए उन पर मोदी जी कोई बात नहीं कहते। मणिपुर को लेकर आज तक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं किया।

सुप्रिया श्रीनेत ने यह आरोप भी लगाया कि इस देश की जनता को मोदी जी गरीब बना रहे हैं, लेकिन फिर भी वह अपना आडंबर रचे हुए हैं और उस जाल में देश की जनता को फंसा रहे हैं।उन्होंने नक्सलियों को शहीद बताए जाने वाले बयान पर सफाई देते हुए बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- 'भारतीय जनता पार्टी की फेक न्यूज़ फैक्ट्री मेरे बयान को गलत तरीके से चला रही है। साल 2013 में झीरम घाटी में हमने कांग्रेस के पूरे नेतृत्व को इन्हीं नक्सलियों के हाथ खोया था। क्या ऐसे नक्सलियों के साथ हमारी जरा सी भी सहानुभूति हो सकती है? कांग्रेस ने अपने दो-दो प्रधानमंत्री को हिंसा की बलिवेदी में चढ़ते हुए देखा है। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी कुत्सित है, वे काट-छांट कर मेरे बयान को चला रहे हैं।'

पश्चिम बंगाल में मोदी बनाम ममता की जंग

समीर चौगांवकर

पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में मतदान होना है। 2019 की तरह इस बार भी ममता और मोदी आमने सामने हैं। ममता बनर्जी 13 साल से बंगाल की मुख्यमंत्री हैं और वह इसी दबदबे के आधार पर भाजपा की बढ़त को रोकने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। बंगाल का यह चुनाव भाजपा और तृणमूल दोनों पूरी तरह ध्रुवीकरण पर लड़ रही हैं। भाजपा का पूरा फोकस और प्रचार राम मंदिर निर्माण, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), संदेशखाली में महिलाओं के साथ शोषण और प्रदेश में ममता राज में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे के इर्द गिर्द सिमटा हुआ है। भाजपा को उम्मीद है कि इन सब मुद्दों के दम पर वह 2019 में जीती 18 सीटों से आगे बढ़कर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। भाजपा इस लोकसभा चुनाव को 2026 के लिए वार्मअप चुनाव के रूप में भी देख रही है। उधर ममता बनर्जी प्रदेश के मुस्लिम नेताओं को साफ-साफ कह रही हैं कि भाजपा के आते ही सीएए और एनआरसी लागू हो जाएगा और आप लोगों से देश की नागरिकता छीन ली जाएगी। जब तक मैं हूं, आपको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता। तृणमूल कांग्रेस ने इस बार घर घर बैठक पर चुनाव प्रचार अभियान पर फोकस किया है। ममता के छोटे-छोटे वीडियो हर घर में दिखाए जा रहे हैं जिसमे वह कह रही हैं कि जब तक ममता है, मोदी बंगाल में आ नहीं सकते। ममता बनर्जी जहां मुस्लिम वोटर्स को कांग्रेस और लेफ्ट मे जाने से रोकने में कामयाब लग रही हैं, वहीं ममता के मुस्लिम वोटर्स को काउंटर करने के लिए भाजपा एससी/एसटी और हिंदू वोटर्स को अपने पाले में लाने का हससंभव प्रयास कर रही है। मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से ममता के साथ हैं। मुसलमानों को लगता है कि ममता के रहते सीएए और एनआरसी बंगाल में लागू नहीं होगा। ऐसे में मुसलमानों का एकमुश्त वोट ममता को मिलता दिख रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी के पास मुसलमान वोटर के अलावा दो बड़े वोट बैंक भी हैं। महिला और अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण। महिलाएं ममता के लक्ष्मी भंडार और कन्याश्री योजनाओं से खुश हैं। बंगाली भद्रलोक यानी अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण करीब 3 से 4 प्रतिशत है। बंगाली ब्राह्मण खुद को सेकुलर साबित करने के लिए टीएमसी को वोट देते हैं। यह भद्रलोक प्रोग्रेसिव सोच को मानते हैं और भाजपा की हिन्दू राजनीति को पंसद नहीं करते हैं। इनको लगता है कि भाजपा इनके रहन सहन और संस्कृति को अपने हिंदुत्व एजेंडा से बदल देगी। 2024 के चुनाव में ममता मोदी पर भारी नजर आ रही थी, लेकिन संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न ने भाजपा के पक्ष में कुछ हद तक माहौल बना दिया है। जो संदेशखाली महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर पूरे देश में चर्चा में आया वह बशीरहाट लोकसभा सीट में आता है। इसकी सरहद बांग्लादेश से सटी है। इस कारण अवैध घुसपैठ भी एक बड़ा मुद्दा है। बशीरहाट में आखरी फेज में वोटिंग है। टीएमसी ने विधायक हाजी नरूल इस्लाम को टिकट दिया है। हाजी नरूल इस्लाम 2009 से 2014 तक बशीरहाट से सांसद रहे हैं। बशीरहाट में मुस्लिम आबादी 45 प्रतिशत है।

संदेशखाली एसटी बाहुल्य है। इसलिए भाजपा यहां एससी/एसटी की राजनीति कर रही है। भाजपा की उम्मीदवार रेखा पात्रा अनुसूचित जाति के बागड़ी समुदाय से आती हैं। मोदी कूचबिहार और जलपाईगुडी में रैली कर चुके हैं। दोनो सीटें एससी आरक्षित सीटें है। भाजपा यहां पर एससी और एसटी लोगों से कह रही है कि टीएमसी जीत गई तो आपकी जमीन पर फिर कब्जा हो जाएगा। पश्चिम बंगाल में एससी आबादी 23.51 प्रतिशत है और एसटी आबादी 5.8 प्रतिशत है। पश्चिम बंगाल में एससी के लिए लोकसभा की 8 और विधानसभा में 68 सीटें आरक्षित हैं। बंगाल में भाजपा एससी समुदाय में आने वाले दास, राजबंशी, खान, मंडल, प्रामाणिक, सरदार और पात्रा को अपने पाले में करने की रणनीति पर काम कर रही है।

विपक्ष नहीं बना पा रहा माहौल

अजय सेतिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए भाजपा 370 पार और एनडीए 400 पार का नारा दिया था। विपक्ष भाजपा के इसी नारे में उलझ कर रह गया। उसका संविधान और लोकतंत्र को खतरे वाला घिसा पिटा प्रलाप जनता को उद्वेलित नहीं कर पाया। वह भूल गया कि 2019 में भी वह संविधान और लोकतंत्र को खतरे की बातें करता रहा था। जब इंडी एलायंस बना था तो विपक्ष के नेता दावा कर रहे थे कि कम से कम 300 सीटों पर भाजपा के सामने एक ही उम्मीदवार खड़ा किया जाएगा, विपक्ष न तो इसे साकार कर पाया, न ही मुकाबले का नेरेटिव बना पाया। तीन राज्यों पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल में तो इंडी एलायंस सीट शेयरिंग ही नहीं पर पाया।

उत्तर प्रदेश में बसपा, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल ने विपक्षी एकता की कोशिश नाकाम बना दी। विपक्ष किसी एक मुद्दे को भी खड़ा नहीं कर पाया, जो भाजपा और मोदी के लिए मुश्किल खड़ी करता। लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण खत्म करने का डर इंडी एलायंस के काल्पनिक मुद्दे हैं। जिनका मोदी, शाह और नड्डा ने एक एक बार जवाब देकर मामला ठंडा कर दिया।

चुनावी मुद्दे वे होने चाहिएं, जो जनता को सीधे प्रभावित करें। उपरोक्त तीनों मुद्दे सिर्फ बौद्धिक बहस के मुद्दे हैं। विपक्ष महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा रहा है, लेकिन इन दोनों मुद्दों को स्वरोजगार के ढेरों विकल्पों और चारों तरफ दिखाई दे रहे राष्ट्र के विकास ने कमजोर कर दिया है। जाति आधारित जनगणना एक सीमित क्षेत्र का मुद्दा है। उन क्षेत्रों की जनता भी जानती है कि ओबीसी आरक्षण बढ़ जाने से नौकरियों में उन्हें कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि नई टेक्नोलॉजी आने से सरकारी नौकरियां ही घटती जाएँगी। विपक्ष ऐसे मुद्दों की पहचान नहीं कर पाया है, जिनसे मोदी का वोट बैंक प्रभावित हो या पहली बार वोट डालने वाले 6 करोड़ वोटर प्रभावित हों। इंडी एलायंस बनते समय जो हवा बनी थी, वह हवा पहले दौर का मतदान शुरू होने से पहले ही हवा हो गई। एलायंस न तो

साझा कार्यक्रम तय कर पाया, न एक भी साझा रैली कर पाया।

सिर्फ एक रैली दिल्ली में हुई, वह भी चुनावी रैली नहीं थी, बल्कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ थी। विपक्ष ऐसा समझता है कि उस रैली से मोदी सरकार की ओर से ईडी और सीबीआई के दुरूपयोग के खिलाफ विपक्ष की एकता का संदेश गया है। जबकि मोदी सरकार ने ठीक चुनाव के वक्त अरविन्द केजरीवाल और हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करके एक केलकुलेटेड गेम खेला था। नरेंद्र मोदी के बनाए जाल में फंस कर विपक्ष ने इन दोनों मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी के खिलाफ एकजुटता दिखा अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मार ली। क्योंकि किसी भी अदालत ने इन दोनों मुख्यमंत्रियों को जमानत नहीं दी। दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी को क़ानूनन जायज ठहरा देने के बाद संदेश उलटा हो गया। संदेश यह हो गया है कि यह गठबंधन अपने भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए बनाया गया है।

दिल्ली की रामलीला मैदान की एक रैली में हेमंत सोरेन की पत्नी और अरविन्द केजरीवाल की पत्नियों को झारखंड के मुख्यमंत्री और दिल्ली के मंत्रियों से ज्यादा महत्व दिया गया। जबकि दोनों पहले राजनीति में नहीं थीं। रैली में इन दोनों गिरफ्तार मुख्यमंत्रियों की पत्नियों के अलावा सभी नेताओं के बेटे बेटियाँ मंच पर पहली लाईन में दिखाई दिए, जैसे लालू यादव के बेटे तेजस्वी, शरद पवार की बेटी सुप्रिया, मुलायम यादव के बेटे अखिलेश आदि। इस रैली ने मोदी का वह काम कर दिया, जो वह सौ भाषणों से भी नहीं कर सकते थे। पिछले दस साल से वह भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ जंग का एलान कर रहे थे। दिल्ली की रैली ने उनके इन दोनों ही मुद्दों को देश के लिए गंभीर और सही साबित कर दिया।

लगभग सभी ओपिनियन पोल बता रहे हैं कि विपक्ष की रैली नरेंद्र मोदी के लिए वरदान साबित हुई। चुनावों के समय दोनों मुख्यमंत्रियों के खिलाफ की गई कार्रवाई से विपरीत नेरेटिव भी बन सकता था। लेकिन इन गिरफ्तारियों के बाद जब मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी जंग आगे भी जारी रहेगी, जो लोग राजनीतिक गिरफ्तारियों का आरोप लगा रहे हैं, उन्हें किसी अदालत से जमानत नहीं मिल रही। तो इन दोनों की गिरफ्तारी ने मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतिबद्धता का नेरेटिव बना दिया। सभी ओपिनियन पोल भाजपा और एनडीए की सीटें 2019 के मुकाबले ज्यादा बता रहे हैं। 2019 में भाजपा खुद 303 सीटें जीती थीं, एनडीए के पार्टनर 50 सीटें जीते थे। अगर हम सभी ओपिनियन पोल का अनुपात निकालें, तो एनडीए की करीब 12 सीटें बढ़ कर 365 हो रही हैं। यह 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

दूसरी तरफ ओपिनियन पोल्स के मुताबिक़ यूपीए के मुकाबले इंडी एलायंस की सीटें घट रही है। सत्रहवीं लोकसभा में यूपीए की 91 सीटें थीं, उसमें तृणमूल कांग्रेस की 22, समाजवादी पार्टी की 5, और आम आदमी पार्टी की एक सीट शामिल नहीं थी, क्योंकि ये तीनों दल यूपीए में शामिल नहीं थे। अब ये तीनों दल इंडी एलायंस में शामिल हैं, इसलिए इन्हें जोड़ लें तो सत्रहवीं लोकसभा में इन सभी दलों की 119 सीटें बनती हैं। इनमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी यूपीए में नहीं थी, लेकिन उद्धव ठाकरे समेत जो नया इंडी एलायंस बना है, उसे ओपिनियन पोल में 122 सीटें बताई जा रही हैं। तो इंडी एलायंस ने क्या हासिल किया। वैसे जरूरी नहीं कि ओपिनियन पोल सही साबित हों। क्योंकि बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र में कड़े मुकाबले की खबरें आ रही हैं। हालांकि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जो पिछले नौ साल से विपक्षी दलों के रणनीतिकार रहे हैं, पिछले विधानसभा चुनाव में वह ममता बनर्जी के रणनीतिकार थे) ने बंगाल में भाजपा की सीटें तृणमूल कांग्रेस से ज्यादा होने की भविष्यवाणी की है।

मोदी का टार्गेट 400 पार का है, लेकिन किसी भी ओपिनियन पोल ने यह नहीं बताया है कि एनडीए 400 पार कर सकता है, या भाजपा 370 को छू सकती है। लेकिन अगर भाजपा दस सीटें भी बढ़ा ले गई, तो वह इसी नारे की सफलता मानी जाएगी, क्योंकि इस नारे ने सीटें घटने नहीं दी। इंडिया टीवी और सीएनएक्स के ओपिनियन पोल ने एनडीए को सर्वाधिक 393 सीटें मिलने और इंडी एलायंस को सौ से भी कम सीटें मिलने की भविष्यवाणी की है। भविष्यवाणी यह है कि भाजपा हिन्दी पट्टी के दिल्ली समेत दस राज्यों में पिछली बार वाला नतीजा दोहराने जा रही है।

हालांकि किसी भी ओपिनियन पोल ने जमीनी हकीकत को इस लिहाज से नहीं देखा कि राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में कई सीटों पर कड़ा मुकाबला हो रहा है। पिछली बार इन तीनों ही राज्यों की सारी 42 सीटें एनडीए जीता था, लेकिन इस बार कम से कम चार-पांच सीटें घट सकती हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश में उन सीटों की भरपाई हो सकती है। बंगाल के अलावा झारखंड और उड़ीसा में भी भाजपा की सीटें बढ़ रही हैं, लेकिन महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार में पिछली बार वाला नतीजा नहीं रहने वाला। तमिलनाडु के बारे में कुछ ओपिनियन पोल भाजपा को छह सीटें दे रहे हैं, भाजपा इससे पहले 1999 में द्रमुक के साथ गठबंधन में एक बार चार सीटें जीती थी। इसके अलावा दोनों में से किसी द्रविड़ गठबंधन में रहते हुए भी भाजपा दो से तीसरी सीट नहीं जीत सकी। 2014 से लगातार भाजपा लोकसभा चुनाव गैर द्रविड़ दलों के साथ गठबंधन बना कर लड़ रही है। 2014 में वह कन्याकुमारी सीट जीती थी, 2019 में वह भी हार गई। इस बार उसके बड़ी ताकत के रूप में उभरने की भविष्यवाणी की जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-60)

गतांक से आगे...

अन्त:करण में पूरी तरह से वैराग्य को धारण करते हुए बाहर से आशावादी बनकर श्रेष्ठ व्यवहार करे। यह मेरा अपना (मित्र) है और वह नहीं है, ऐसे निकृष्ट विचार क्षुद्र मनुष्यों के होते हैं। उदार चरित वालों के लिए तो समस्त वसुधा ही अपना परिवार है। जो व्यक्ति भाव-अभाव से मुक्ति प्राप्त कर सका है, जन्म-मृत्यु से परे है, जहाँ पर सभी संकल्प सम्यक् रूप से शान्ति को प्राप्त हो जाते हैं, ऐसे रागविहीन तथा रमणीक पद का अवलम्बन ग्रहण करो। यह पवित्र, निष्काम, दोषरहित ब्राह्मी स्थिति है।

इसको स्वीकार करके विहार करता हुआ मनुष्य विपत्तिकाल में भी मोहग्रस्त नहीं होता। शास्त्रों के ज्ञान से या फिर वैराग्य से और महान् सद्गुणों के द्वारा जिस संकल्प को विनष्ट किया जाता है, उससे मन स्वत: ही उन्नतावस्था को प्राप्त होने लगता है। निराशा के वश में हुआ जो मन वैराग्य के द्वारा पूर्णता को प्राप्त कर लेता है, वही आशान्वित होने पर शरत्कालीन ऋतु में स्वच्छ सरोवर की भाँति राग युक्त हो जाता है; किन्तु भोगों से विरक्त हुए मन को बार-बार प्रत्येक दिन रागादि व्यापारों में डालते हुए ज्ञानी पुरुष लज्जित क्यों नहीं होते ? चित् एवं विषय का योग ही बन्धन कहलाता है। उस योग से छुटकारा प्राप्त करना ही मोक्ष कहलाता है। निश्चय पूर्वक विषयरहित चित् को ही आत्मा कहा गया है, यही समस्त वेदान्त-सिद्धान्त का सार है। इस विचार को सत्य मानकर प्रदीप्त अन्त:करण के द्वारा स्वयमेव अपने आप को देखो। इसमें असीम आनन्द पद की प्राप्ति होगी। मैं चित् स्वरूप हूँ। ये समस्त लोक चित् हैं, दिशाएँ एवं ये सभी प्राणि-समुदाय भी चित् स्वरूप हैं। दृश्य एवं दर्शन से छुटकारा प्राप्त करके, मात्र परिष्कृत स्वरूप वाला साक्ष्यरूप चिदात्मा आभासरहित एवं नित्य प्रादुर्भूत होकर द्रष्टा बन रहा है।

क्रमश: ...

इसरो ने लांच किया था पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट'

धर्मेन्द्र सिंह

भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट प्रथम 19 अप्रैल 1975 को लांच किया गया था, अंतरिक्ष की दुनिया में आर्यभट्ट के माध्यम से भारत का यह पहला कदम था। सोवियत संघ की मदद से इस उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया गया था। यूआर राव द्वारा निर्देशित भारत और सोवियत संघ के बीच समझौते के कारण यह प्रक्षेपण सफल रहा और इस समझौते पर 1972 में हस्ताक्षर किये गये थे।

इसरो की महान कामयाबी के बाद भारत में अंतरिक्ष की दुनिया में एक से बढ़कर एक उपलब्धियां हासिल की। भारत के पहले उपग्रह का नाम देश की पांचवी सदी के महान खगोल शास्त्री और गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया। आर्यभट्ट प्रथम उपग्रह का वजन 360 किलोग्राम था।

यह उपग्रह लांच होने के बाद 17 साल तक अंतरिक्ष में अपनी सेवाएं देता रहा और 11 फरवरी 1992 को पृथ्वी पर वापस आ गया। आर्यभट्ट उपग्रह का मुख्य उद्देश्य था एक्सरे, खगोल विद्या, वायु विज्ञान और सौर भौतिकी से जुड़े प्रयोग करना।

अंतरिक्ष की दुनिया के इतिहास में 19 अप्रैल 1975 का दिन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसी दिन इसरो ने पहले उपग्रह आर्यभट्ट प्रथम को अंतरिक्ष में छोड़ा था। इसरो ने बेंगलूर की पिन्या में इस उपग्रह को तैयार किया था। इस उपग्रह का नाम महान खगोल विद और गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर इंदिरा गांधी ने रखा था। इस उपग्रह का अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण सोवियत रूस की सहायता से किया गया था। आर्यभट्ट प्रथम के माध्यम से खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान एक्सरे और सौर भौतिकी बहुत की जानकारी हासिल करने के लिए इस उपग्रह का इस्तेमाल किया गया था। इसरो के द्वारा लांच होने वाला यह पहला उपग्रह था। इसके माध्यम से अंतरिक्ष की दुनिया में भारत को एक बड़ी पहचान मिली थी।

1975 में आर्यभट्ट उपग्रह के लांच होने के इस ऐतिहासिक छड़ को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 1976 में रू. 2 के नोट के पिछले हिस्से पर छापा था। रू. 2 की नोट पर आर्यभट्ट की यह तस्वीर 1997 तक छापी गई। बाद में फिर आरबीआई ने नोट की डिजाइन में बदलाव किया। आज भी भारतीय डाक से लेकर देश की महत्वपूर्ण संग्रहालय में आर्य भट्ट की तस्वीर देखने को मिल जाएगी। उसी दौर में भारत और रूस ने मिलकर एक स्मृति टिकट भी लांच किया था।

इसरो ने 19 अप्रैल 1975 को आर्यभट्ट प्रथम के माध्यम से जो प्रसिद्धि पाई थी। उसके बाद अंतरिक्ष अनुसंधान के इस सफर में भारत इतना आगे निकल चुका है कि वह 3 टन से भी अधिक वजन वाले दूरसंचार के उपग्रह को छोड़ने की काबिलियत रखता है। यही नहीं चंद्रमा और मंगल ग्रह तक इसरो ने सफलतापूर्वक अपने उपग्रह भेजकर अंतरिक्ष की दुनिया में भारत को एक बड़ी पहचान दी है। 2014 में अंतरिक्ष में भेजा गया मंगलयान इसरो की एक महान उपलब्धि रही है।

भाजपा के सिंघम को तमिलनाडु में कोई नहीं रोक सकता

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु उन राज्यों में शुमार है जहां लोकसभा चुनावों के पहले चरण के दौरान सभी सीटों पर मतदान कराया जायेगा। मतदाता लोकसभा चुनावों में इस बात का फैसला करेंगे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी या प्रधानमंत्री कौन बनेगा। लेकिन इसके साथ ही राज्य का मतदाता इस बात का भी फैसला करने जा रहा है कि तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य कैसा होगा। प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा जब तमिलनाडु पहुँची तो हमने शहरी और ग्रामीण मतदाताओं के मन को टटोला। राजनीतिक दलों के बारे में पूछे जाने पर तो मतदाताओं की राय अलग-अलग रही लेकिन जब तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई के बारे में हमने प्रश्न पूछा तो सभी के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। ऐसा लग रहा था कि तमिलनाडु की जनता अन्नामलाई को अपना भविष्य का नेता मान चुकी है। अन्नामलाई की सहजता, सुलभता और सहृदयता के सभी कायल दिखे। जिस तरह अन्नामलाई आम आदमी के हितों से संबंधित मुद्दे उठा रहे हैं उससे सिर्फ गरीब व्यक्ति ही नहीं बल्कि अमीर व्यक्ति भी प्रभावित दिखे। यहां हमें एक बात और महसूस हुई कि जिस तरह देशभर में भाजपा मतलब मोदी है उसी तरह तमिलनाडु में भाजपा मतलब अन्नामलाई दिखा। अन्नामलाई ने राज्य भर की अपनी यात्रा के दौरान प्रदेश के कोने-कोने में अपनी पार्टी की जड़ें मजबूत की हैं। संभव है इसका पूरा परिणाम इस लोकसभा चुनाव में नहीं दिखे लेकिन आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा चमत्कार कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही है लेकिन अब भाजपा यहां तेजी से आगे बढ़ रही है। लोगों से बातचीत में हमने पाया कि भाजपा तमिलनाडु में मुख्य विपक्ष का स्थान ले चुकी है। आंकड़ों के लिहाज से अन्नाद्रमुक भले मुख्य विपक्षी पार्टी हो लेकिन उसके अंदर भारी बवाल मचा हुआ है दूसरी ओर भाजपा पूरी एकजुटता के साथ आगे बढ़ रही है।

जहां तक भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी कुप्पुस्वामी अन्नामलाई की बात है तो वह जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं उसको देखते हुए लगता नहीं

कि उन्हें राजनेता बने हुए चार साल ही हुए हैं। वह जिस कोयम्बटूर क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं वहां उनकी दीवानगी देखते ही बन रही है। चुनाव प्रचार के दौरान अन्नामलाई जिस क्षेत्र में पहुँचते वहां पटाखे फोड़कर और ढोल की थाप के साथ उनका स्वागत किया जाता रहा। उनकी भगवा मिनी बस को देखने के लिए लोग घंटों तक खड़े रह कर इंतजार करते दिखे। सफ़ेद धोती-कुर्ता पहने और टेढ़ी-मेढ़ी दाढ़ी तथा बिखरे हुए बाल वाले अन्नामलाई जैसे ही अपनी मिनी बस की छत पर आते वैसे ही उनके प्रति लोगों की दीवानगी देखते ही बनती थी। अन्नामलाई अपने हर पड़ाव पर लोगों से बात करते और विकास के लिए मोदी और भाजपा को वोट देने की अपील करते। इस दौरान भीड़ का जोश देखते ही बनता था। अपने चुनावी भाषणों में अन्नामलाई राज्य में सत्तारुढ़ द्रमुक और इंडिया गठबंधन के दलों की वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार पर खूब प्रहार करते रहे। अन्नामलाई अपने चुनाव प्रचार के दौरान गरीबों के घर भोजन भी करते रहे। अन्नामलाई आईपीएस अधिकारी पद पर कार्य करने के दौरान भी उतने ही मृदुभाषी थे जितने आज हैं। वह अपने वक्तृत्व कौशल और जुझारूपन के लिए सिंघम के नाम से भी जाने जाते हैं। अन्नामलाई की उम्र मात्र 39 साल है और वह तमिलनाडु में अब तक के सबसे कम उम्र के भाजपा अध्यक्ष हैं। भाजपा जिस तरह तमिलनाडु के युवाओं को आगे बढ़ा रही है उसके चलते खासतौर पर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं का झुकाव भाजपा की ओर नजर आया। जब हमने लोगों से बात की तो उन्होंने कहा कि अन्नामलाई में बदलाव लाने की क्षमता है और उनका जुझारूपन तमिलनाडु की जनता को बड़े लाभ दिलवा सकता है। तमिलनाडु में पिछले दो चुनावों में भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन रहा। गठबंधन के तहत 2019 के लोकसभा चुनावों में तो भाजपा को कोई सीट नहीं मिली लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में उसे जरूर चार सीटें मिल गयीं। इस बार भाजपा ने बड़ा दांव खेलते हुए अकेले लड़ने का फैसला किया और पार्टी कुछ छोटी पार्टियों के साथ तालमेल करके पूरी तरह अन्नामलाई के नेतृत्व में चुनाव में उतरी है। अन्नामलाई को जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के आला नेताओं का आशीर्वाद हासिल है उसको देखते हुए राज्य में पार्टी के सभी नेता भी अन्नामलाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

तमिलनाडु में भाजपा ने अन्नाद्रमुक के दूसरे गुट के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम को अपने साथ रखा है। भाजपा समझ रही है कि जयललिता के बाद अन्नाद्रमुक का आधार खत्म हो रहा है। हालांकि जनता के बीच जयललिता के प्रति अब भी स्नेह है। इसलिए भाजपा ने पनीरसेल्वम को अपने साथ रखा हुआ है ताकि जयललिता से जुड़े रहे मतदाता भगवा दल के साथ जुड़ जायें। यदि भाजपा अन्नाद्रमुक के वोटबैंक को हथियाने में कामयाब रहती है तो तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। भाजपा त्रिपुरा में वामपंथियों का गढ़ उखाड़ कर, बंगाल में तेजी से अपना आधार बढ़ा कर और गुजरात में तीन दशकों से अपना गढ़ बचाये रखने जैसे कई करिश्मे करके दिखा चुकी है इसलिए उसके इस दावे पर संदेह नहीं किया जा सकता कि तमिलनाडु में आने वाले दिनों में उसका राज होगा।

जहां तक अन्नामलाई के परिचय की बात है तो आपको बता दें कि वह कोयंबटूर से लगभग 130 किमी दूर करूर जिले के एक किसान परिवार से आते हैं। वह राज्य के प्रभावशाली गौंडर समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। आईआईएम लखनऊ से एमबीए करने से पहले अन्नामलाई ने कोयंबटूर के एक प्रसिद्ध कॉलेज से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की थी। उन्होंने कर्नाटक में एक पुलिस अधिकारी के रूप में आठ साल (2011-19) तक सेवा की। आईपीएस और पुलिस बल छोड़ने के बाद, उन्होंने एक एनजीओ की स्थापना की, जिसने पर्यावरण परिवर्तन पर काम किया।

अन्नामलाई को पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी (ईपीएस) के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक नेतृत्व के लिए भी खतरा माना जाता है। हम आपको बता दें कि पलानीस्वामी भी संयोग से गौंडर जाति से हैं। पिछले साल, अन्नामलाई ने %एन मन, एन मक्कल (मेरी भूमि, मेरे लोग)% नाम से एक कठिन राज्यव्यापी यात्रा शुरू की थी, जिसने सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया और काफी लोकप्रियता हासिल की। अभी हाल ही में चुनाव अभियान के दौरान, उन्होंने एक आरटीआई दस्तावेज़ के जरिये भारत और श्रीलंका के बीच स्थित द्वीप कच्चातिवू का मुद्दा उठाकर द्रमुक और कांग्रेस को घेर लिया था। आरोप यह थे कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1974 में इसे श्रीलंका को उपहार में दिया था। आरोप था कि राज्य के हितों के लिए इस हानिकारक निर्णय को तत्कालीन द्रमुक सरकार के दौरान लिया गया था। हमने तमिलनाडु में भाजपा की रणनीति को करीब से समझा और महसूस किया कि पार्टी की रणनीति अपने मौजूदा चार प्रतिशत वोट को दोहरे अंक तक ले जाने और फिर 20 से 25 प्रतिशत तक पहुँचाने की है। अन्नामलाई जानते हैं कि यह कठिन चुनौती है लेकिन वह इस चुनौती को ही चुनौती देते हुए आगे बढ़ रहे हैं। यदि वह सफल हुए तो सबसे पहले अन्नाद्रमुक की जगह ले लेंगे और फिर उन्हें द्रमुक से सत्ता छीनने से भी कोई नहीं रोक पायेगा। देखा जाये तो अन्नामलाई के रूप में भाजपा को तमिलनाडु में ऐसा नेता मिल गया है जिसकी राज्य भर में स्वीकार्यता है और वह प्रतिबद्धता के साथ अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने की क्षमता भी रखता है। अन्नामलाई कहते हैं कि वह अब भी सीख रहे हैं। पुलिस अधिकारी और राजनेता के बीच के अंतर पर उनका कहना है कि पुलिस अधिकारी को कानून के हिसाब से काम करना होता है जबकि राजनीति में सभी को साथ लेकर चलना होता है। बहरहाल, बताया जा रहा है कि अन्नामलाई हालांकि लोकसभा चुनाव लड़ने की बजाय अपनी पूरी ताकत राज्य भर में पार्टी के प्रचार के लिए लगाना चाहते थे लेकिन पार्टी आलाकमान का निर्णय उन्होंने स्वीकार किया।

आज का इतिहास

1934 डेव कोमोनन ने बोस्टन मैराथन जीता।
1943 होलोकॉस्ट नाज़ी सैनिकों ने जर्मन कब्जे के खिलाफ पोलैंड में पहली बार बड़े पैमाने पर उत्पात मचाते हुए, शेष यहूदियों को गोल करने के लिए वॉरसॉ यहूदी बस्ती में प्रवेश किया।
1947 टेक्सास शहर बंदरगाह के पास एक फ्रांसीसी जहाज के फटने से 522 लोग मारे गए।
1948 च्यांग काई शेक चीन के राष्ट्रपति बने।
1956 अमेरिकी अभिनेत्री ग्रेस केली ने रेनियर III ने राजकुमार मोनाको से शादी की।
1960 दक्षिण कोरिया में छात्रों ने एक राष्ट्रव्यापी समर्थक लोकतंत्र विरोधी सिग्मैन री का आयोजन किया, अंतत: उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया।
1967 यूगोस्लाव के लेखक मिहलजो मिहलजोव को 4 साल कैद की सजा सुनाई गई थी।
1972 हंगरी द्वारा संविधान को संशोधित किया गया था।
1972 बांग्लादेश राष्ट्रमंडल का सदस्य बना।
1982 SSR द्वारा सैल्यूट 7 स्पेस स्टेशन को कक्षा में रखा गया था।
1983 परमाणु परीक्षण फ्रांस द्वारा किए गए थे।
1984 स्कॉटिश मूल के संगीतकार पीटर डोड्स मैककॉर्मिक का एडवांस ऑस्ट्रालिया फेयर, एक देशभक्ति गीत, जिसे पहली बार 1878 में प्रदर्शित किया गया था, जिसने आधिकारिक तौर पर गॉड सेव द क्वीन को ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान के रूप में बदल दिया था।
1989 संयुक्त राज्य अमेरिका के नौसेना युद्धपोत आयोवा पर एक बंदूक बुर्ज में विस्फोट हो गया, जिसमें 47 नाविक मारे गए।
1993 माउंट कार्मेल सेंटर की 51 दिन की घेराबंदी, वाको, टेक्सास के बाहर ब्रंच डेविडियन धार्मिक संप्रदाय का घर है, जब आग लगने से 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।
1995 ट्रक बम से ओखोमा सिटी में संघीय भवन में 168 लोग मारे गए।
1996 पेप्सी कप पर दक्षिण-अफ्रीका ने कब्जा कर लिया था क्योंकि फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।
1997 रेनी वध को 14 वें मिस हवाई हवाई ट्रॉपिक इंटरनेशनल के रूप में ताज पहनाया गया था।
2003 चीन की महिला भारोत्तोलक बांग मिंग च्यान ने विश्व रिकार्ड बनाया।
2005 जर्मनी के कार्डिनल योसिफ़ रान्सिंगर रोमन कैथोलिक चर्च के नये पोप चुने गये।
2006 प्रथम अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग को उनके द्वारा लाया गया चांद टुकड़ा भेंट किया गया।
2007 द विजार्ड आफ़ आईडी सीरीज के कार्टूनिस्ट ब्रैंड पार्कर का निधन।

मुरादाबाद में अंदरूनी कलह के चलते ढह सकता है सपा का मजबूत दुर्ग

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव के लिये प्रथम चरण के मतदान में गिनती के दिन शेष बचे है, ऐसे में मुरादाबाद लोकसभा सीट की लड़ाई दिन पर दिन और दिलचस्प होती जा रही है। कहानी में ताजा मोड़ तब आया जब समाजवादी पार्टी (सपा) जो पहले उम्मीदवार चयन को लेकर असमंजस से जूझ रही थी। मुरादाबाद में मौजूदा सांसद एसटी हसन की जगह रुचि वीरा को लेने के बाद सपा के भीतर भड़क उठी थी, जिन्हें जेल में बंद पार्टी नेता और कद्दावर नेता आजम खान की पसंद के रूप में देखा जाता है। पार्टी द्वारा तिरस्कृत किए जाने के बाद हसन ने स्वयं को वीरा के अभियान से अलग कर लिया है। हसन यदि वीरा के समर्थन में सामने आते हैं तो इससे मतदाताओं में एक अच्छा संदेश जाएगा। सपा नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि मुरादाबाद के पूर्व महापौर हसन, जो अपनी चिकित्सा पद्धति के कारण क्षेत्र में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं, की जगह वीरा को लाना मुस्लिम मतदाताओं के एक वर्ग को पार्टी से दूर बसपा की ओर ले जा सकता है, जिसने ठाकुरद्वारा नगर पालिका के वर्तमान अध्यक्ष और स्थानीय ओबीसी मुस्लिम नेता इरफान सैफी को मैदान में उतारा है। मुस्लिम सपा का एक प्रमुख वोट बैंक है। मुरादाबाद लोकसभा सीट के 17 लाख मतदाताओं में से लगभग 47 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा पसमांदा मुसलमानों का है। भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों को लुभाने पर जोर देने के साथ, मुस्लिम वोटों में विभाजन की भी संभावना है, जिससे भाजपा उम्मीदवार कुंवर सर्वेश कुमार को मदद मिलेगी। 2014 में, कुमार ने एसटी हसन को 87,000 से अधिक वोटों से हराकर मुरादाबाद जीता था। 2019 में, परिणाम बिल्कुल विपरीत था, कुमार इस बार हसन से लगभग 97,000 वोटों से हार गए, संभवत मुस्लिम वोटों के एकीकरण के कारण क्योंकि एसपी और बीएसपी गठबंधन में थे।

बहरहाल, 1992 में अपनी स्थापना के बाद से, सपा ने हमेशा इस सीट से मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि बनिया वीरा को मैदान में उतारने से उसे कुछ उच्च जाति के वोट हासिल करने में मदद मिलेगी, जिससे मुस्लिम समर्थकों के बीच विभाजन की संभावित हानि को रोका जा सकेगा। सपा को वीरा से हसन की नाराजगी और मुस्लिम वोटों के बंटवारे के अलावा मुरादाबाद में अपनी सहयोगी कांग्रेस से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिज़वान ने वीरा पर खराब रवैया रखने का आरोप लगाया है और कहा है कि वह चुनाव से तटस्थ रहेंगे। उन्होंने बताया कि मुझे लगता है कि वह (वीरा) चाहती थी कि मैं उसकी गुलामी करूं। मुझे वह पसंद नहीं आया. हालाँकि मैं उसका विरोध नहीं कर रहा हूँ, लेकिन मैं उसका समर्थन भी नहीं कर रहा हूँ।

उधर, वीरा के प्रतिनिधि सुनील भारद्वाज ने कहा कि सपा और कांग्रेस संगठनों के बीच अच्छा समन्वय है। मुरादाबाद एक बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है और चुनाव प्रचार जारी है। हर किसी को समय देना कठिन है। हो सकता है कि किसी को ठेस पहुंची हो लेकिन यह उसकी ओर से पूरी तरह से अनजाने में हुआ होगा। उन्होंने डॉ हसन से भी संपर्क करने की कोशिश की और उनके आवास पर गईं, लेकिन वह उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस नेताओं का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें प्रचार के दैनिक कार्यक्रम पहले से साझा किए जाते हैं।

बहरहाल, कांग्रेस नेता रिज़वान का वीरा के खिलाफ

खुला ऐलान ज़मीन पर सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और संवाद की कमी वाली तस्वरी पेश कर रहा है। कांग्रेस के एक नेता ने इस बात से इनकार किया कि उनकी ओर से कोई विरोध हुआ है, उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रमों के बारे में एसपी की ओर से कोई सूचना नहीं होने के बाद भी पार्टी नेता खुद को अभियान में शामिल कर रहे हैं।

हालाँकि, हसन के नर्सिंग होम से बमुश्किल एक किलोमीटर दूर शहर के कचहरी इलाके में राय विभाजित है। एक व्यापारी मोहम्मद जमील ने कहा कि वह हसन को हटाने के एसपी के फैसले से खुश हैं। वह बहुत विनम्र हैं लेकिन पुलिस मामलों में गरीब लोगों की मदद करने के लिए अपने रास्ते से बाहर नहीं जाते हैं। वहीं वीरा भी इस सिलसिले में एक्टिव हैं। पिछले शुक्रवार को वह मुसलमानों से मिलीं, जो अलविदा-की-नमाज़ (रमज़ान के आखिरी शुक्रवार की प्रार्थना) अदा करने के बाद जामा मस्जिद से बाहर आ रहे थे और उन अधिकारियों से भिड़ गईं जो हमें चुनाव प्रचार करने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। वह हमारे लिए लड़ सकती हैं। स्थानीय लकड़ी व्यापारी शमशुद्दीन ने दावा किया कि हसन ने विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कभी भी निर्वाचन क्षेत्र में यात्रा नहीं की। वह चाहते हैं कि मुरादाबाद में (आम आदमी पार्टी सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री) अरविंद केजरीवाल जैसा कोई नेता हो, जो हमें सस्ती दरों पर बुनियादी सुविधाएं दिलाने में मदद कर सके। शम्सुद्दीन ने कहा कि उन्हें भाजपा सरकार से कोई वास्तविक समस्या नहीं है। मैं सुरक्षित महसूस करता हूं क्योंकि यह कानून व्यवस्था पर अच्छा काम कर रहा है, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ को सस्ती बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के बारे में भी सोचना चाहिए। शमशुद्दीन के पड़ोसी शारिक जावेद जिले में अपने सबसे बड़े नेता एसटी हसन को सपा द्वारा हटाए जाने से नाराज हैं और उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट बंट जाएगा। सपा के एक जिला पदाधिकारी ने भी जावेद के विचारों से सहमति जताई। नेता ने कहा कि चूंकि हसन की जगह एक हिंदू उम्मीदवार को लाया गया है, इसलिए समुदाय का एक वर्ग सैफी को पसंद करेगा।

बात बीजेपी की कि जाये तो पिछले साल अगस्त में, आदित्यनाथ सरकार ने 1980 में मुरादाबाद में हुए सांप्रदायिक दंगों पर जस्टिस एमपी सक्सेना आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्षों को सार्वजनिक किया, जिसकी विपक्ष ने तीखी आलोचना की, जिसने भाजपा पर सीट पर चुनाव का धुव्रीकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बात दें 13 अगस्त, 1980 को मुरादाबाद शहर की एक ईदगाह में एक सुअर के घुसने के बाद दंगे भड़क उठे थे। मुसलमानों और पुलिस के बीच हुए विवाद और पुलिस गोलीबारी में कई मुसलमानों की मौत हो गई थी। यह घटना तब हुई जब उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों में क्रमश: वीपी सिंह और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थीं। नवंबर 1983 में इसकी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी गई थी, लेकिन अब सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार, हिंसा में भाजपा, आरएसएस और पुलिस सशस्त्र कांस्टेबुलरी की कोई भूमिका नहीं थी। रिपोर्ट में आईयूएमएल नेता शमीम अहमद और एक हामिद हुसैन को दोषी ठहराया गया है।

ज़मीनी स्तर पर यह रिपोर्ट बमुश्किल ही हलचल पैदा करती है। हिंसा के केंद्र ईदगाह में बैठे 82 वर्षीय महमूद ने बताया कि इतने वर्षों बाद भी नई पीढ़ी इस घटना से अनजान है। रिपोर्ट को सार्वजनिक करके, भाजपा संभवत: चुनाव को सांप्रदायिक बनाना चाहती है। लेकिन इसकी जरूरत नहीं थी क्योंकि यहां चुनाव हमेशा धार्मिक आधार पर लड़े जाते रहे हैं। ईदगाह के सामने कपड़े की दुकान चलाने वाले हरीश शर्मा ने भी कहा कि भाजपा को इस रिपोर्ट से कुछ हासिल नहीं होगा। नए मतदाताओं ने केवल हिंदू-मुस्लिम सद्भाव देखा है। मुझे नहीं लगता कि कोई मतदाता रिपोर्ट के कारण अपना मन बदलेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल ने इन आरोपों से इनकार किया कि रिपोर्ट पार्टी के अभियान का हिस्सा थी। उनका कहना था हम रिपोर्ट पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। सब जानते हैं कि दंगा किसने भड़काया। यह घटना मुरादाबाद पर एक धब्बा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि युवा लोगों को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

तमिलनाडु के लिए मोदी-अन्ना का प्लान

अभिनय आकाश

तमिलनाडु में उत्तर-दक्षिण की राजनीति सबसे अधिक तीव्रता से चल रही है। वहां की सभी 39 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान होना है। राज्य सरकार चला रहे डीएमके गठबंधन, एनडीए और एआईएडीएमके बीच त्रिकोणीय कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। भाजपा ने दोनों द्रविड़ पार्टियों, द्रमुक या अन्नाद्रमुक में से किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है और वह राज्य में अपना वोट शेयर बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उसे उम्मीद है कि वह राज्य में कम से कम चार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र- वेल्लोर, कोयम्बटूर, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी जीत लेगी, जिसे वह दक्षिण में पैर जमाने की आखिरी सीमा मानती है। हालाँकि वित्तीय संसाधनों के संबंध में शिकायतें और आरोप प्रत्येक दक्षिणी राज्य के लिए अलग-अलग हैं। तमिलनाडु के लिए, वे प्राकृतिक आपदाओं के लिए राहत सहायता में देरी या अपर्याप्त हैं, केंद्र बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर राजनीति कर रहा है और संसाधनों के बंटवारे में अनुचित सौदा; कर्नाटक के लिए, यह केंद्रीय निधियों के कम हस्तांतरण, जीएसटी मुआवजे का भुगतान न करने के बारे में है; और केरल के लिए, यह केंद्र सरकार द्वारा राज्य उपक्रमों द्वारा उधार लेने पर अंकुश लगाने के बारे में है। कुछ शिकायतें राज्यों और केंद्र सरकार के बीच अदालती लड़ाई तक बढ़ गई हैं, और राज्यों में भी इनकी गूंज सुनाई दे रही है। वास्तविक प्रतिनिधित्व का प्रश्न केवल दो साल बाद शुरू होगा। परिसीमन अभ्यास पर अगली सरकार के निर्णय के अधीन है, जो राज्यों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के आधार पर लोकसभा की ताकत में काफी विस्तार करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार की तुलना में दक्षिणी राज्यों की आवाज अपेक्षाकृत कम होने की संभावना निश्चित रूप से तमिलनाडु के मतदाताओं के बीच खतरे की घंटी नहीं है, हालांकि राजनीतिक दल पूरी तरह से सचेत हैं। यह आक्रोश उन शिकायतों में व्यक्त होता है कि दक्षिणी राज्यों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। कभी-कभी, यह अति हो जाती है। पार्टी फिर नुकसान की भरपाई करने में विफल हो जाती है। उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खुद युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में सनातन धर्म की तुलना कोविड और डेंगू से की और इसके उन्मूलन का आह्वान किया। डीएमके के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह अपरिपक्व है और इससे बचना ही बेहतर है। लेकिन पार्टी में उदयनिधि की स्थिति और कद ऐसा है कि उनके बयानों का कई लोगों को बचाव करना पड़ा। पेरियार द्वारा स्थापित द्रविड़ कड़गम (डीके) और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई द्वारा स्थापित द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है।

उत्तरप्रदेश में अकेला क्या कर पायेगा हाथी?

संजय तिवारी

जब बसपा प्रमुख मायावती ने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरेगी तो बहुत से लोगों ने उन पर आरोप लगाया था कि ऐसा वो बीजेपी की मदद करने के लिए कह रही हैं। लेकिन जिस प्रकार से बसपा ने टिकटों का बंटवारा किया है, उससे यूपी की सीधी लड़ाई त्रिकोणीय संघर्ष बनती हुई दिख रही है। मायावती द्वारा यूपी में टिकटों के बंटवारे पर नजर डालें तो इतना साफ दिखता है कि बसपा की कोशिश वोट काटने के बजाय अपनी जीत का प्रयास करना है। इसलिए टिकट बंटवारे में जाति धर्म की कोई बाध्यता नहीं रखी गयी है। लेकिन टिकट इस तरह से दिया गया है कि पार्टी के सिंबल पर उतरनेवाला उम्मीदवार दमदारी से लड़ सके।

इसके लिए बसपा ने सपा/कांग्रेस और भाजपा के टिकट बंटवारे का इंतजार किया। पार्टी ने अपने सियासी पांसे को चुनावी चौसर पर उसी तरह चला है ताकि वह यूपी में लड़ती हुई दिखे। यूपी के जो राजनीतिक हालात हैं उसमें कांग्रेस के बाद बसपा ही वो पार्टी है जिसके सामने जीत हार से अधिक महत्वपूर्ण है कि वो मैदान में बनी रहे। इस बार बसपा ऐसा करने में कामयाब होती दिख रही है। बसपा का अपना एक निश्चित वोटबैंक है। यूपी की जाटव जाति पूरी तरह से बसपा के समर्पित वोटर हैं जो लगभग 12 प्रतिशत के आसपास हैं। हालांकि पश्चिमी यूपी में चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी बन जाने के बाद उसके इस वोटबैंक में भी सेंध लगी है। नगीना से खुद चंद्रशेखर मैदान में हैं और सपा भाजपा को %कड़ी टक्कर% दे रहे हैं। पश्चिमी यूपी में जाटव जाति के वोटर बसपा से दूर होकर चंद्रशेखर के पाले में न चले जाएं इसलिए बसपा के उत्तराधिकारी आकाश आनंद खुद नगीना की देख रेख कर रहे हैं।

चंद्रशेखर लुटियन जोन में घूमनेवाले लिबरल्स के प्रिय पात्र हैं इसलिए उनकी मौजूदगी को मीडिया का एक वर्ग बहुत बढ़ा चढ़ाकर बताता है। फिर चंद्रशेखर और उनके समर्थक सवर्णों से सीधी लड़ाई की बात करते हैं, इसलिए इस जाति के युवाओं को आकर्षित करते हैं। चंद्रशेखर की बनाई भीम आर्मी का प्रभाव आज पूरे प्रदेश में दिखता है। अंबेडकर जयंती का मौका हो या

फिर दूसरी जातियों से झगड़ा झंझट, इस जाति के युवा चंद्रशेखर की भीम आर्मी के बैनर तले ही गोलबंद होते हैं। लेकिन इस गोलबंदी का मतलब यह नहीं है इनकी जाति का वोट चंद्रशेखर के पाले में चला जाएगा। इस जाति के लोगों का हाथी से गहरा लगाव है और मतदान केन्द्र पर उसी के सामनेवाला बटन दबता है। प्रदेश में यही बसपा की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है जो कांशीराम और मायावती ने तीस सालों में अर्जित की है। फिर चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी अभी राज्यव्यापी नहीं है। इसलिए उसका अगर कुछ प्रभाव है भी तो एक सीमित क्षेत्र में ही है।

ऐसे में बसपा ने इस बार जहां अपने वोटबैंक को तो बचाकर ही रखा है वहीं उसने दूसरी जातियों और मुसलमानों को भी साधने का प्रयास किया है। मसलन, मेरठ की सीट पर जहां भाजपा ने अग्रवाल समाज से आनेवाले अरुण गोविल को टिकट दिया तो बसपा ने त्यागी उम्मीदवार पर दांव लगाकर यहां से देवव्रत त्यागी को टिकट दे दिया। इस सीट पर त्यागी मतदाताओं का ठीक ठाक प्रभाव है और अगर बसपा का त्यागी कार्ड चल गया तो भाजपा उम्मीदवार को जीत के लिए संघर्ष जरूर करना पड़ेगा।

इसी तरह जौनपुर से बसपा ने श्रीकला सिंह को टिकट दे दिया है जो कि इस क्षेत्र में माफिया नेता कहे जानेवाले धनंजय सिंह की पत्नी हैं। धनंजय सिंह न केवल जौनपुर क्षेत्र में अच्छा खासा राजनीतिक प्रभाव रखते हैं बल्कि वो यहां से चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर चुके थे। ऐन मौके पर एक पुराने केस में उनको सजा हो गयी और वो जेल में हैं। ऐसे में बसपा ने धनंजय सिंह की पत्नी को टिकट देकर इस सीट पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पिछली बार भी यह सीट बसपा ने ही जीती थी। कभी पैसा देकर टिकट बंटवारे के लिए बदनाम रही बसपा ने इस बार टिकट बंटवारे में बहुत सावधानी बरती है। एक ओर जहां मुस्लिम दावेदारों पर दांव लगाया है वहीं दूसरी ओर स्थानीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा है। जहां मुस्लिम मतदाता अधिक हैं और उम्मीदवार हिन्दू है वहां पार्टी की ओर से मुस्लिम पदाधिकारी नियुक्त किये गये हैं ताकि मुस्लिम वोटर पूरी तरह से सपा कांग्रेस के पाले में न चला जाए।

मुसलमानों से अपील करते हुए मायावती उन्हें भरोसा दिला रही हैं कि सिर्फ बसपा के साथ जाने पर ही मुसलमान भाजपा को हरा पायेंगे क्योंकि बसपा के पास उसका अपना दलित वोटबैंक है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि मायावती की नजर में सिर्फ दलित या मुस्लिम वोटर ही हैं। ऐसा लगता है कि शायद पहली बार बसपा में टिकट देते समय सिर्फ अपने वोटबैंक और उम्मीदवार के पैसे को ही ध्यान में नहीं रखा गया है। हर एक सीट पर मंथन हुआ है और उस जाति या वर्ग के उम्मीदवार पर ध्यान केन्द्रित किया गया है जिसकी सपा-कांग्रेस या फिर भाजपा के द्वारा उपेक्षा की गयी है। इसलिए अकेले होने कारण बसपा प्रदेश में कुछ खास नहीं कर पायेगी, ऐसा समझ बैठना एक प्रकार की भूल होगी। सर्वे भले ही यह बता रहे हों कि बसपा का खाता नहीं खुलेगा लेकिन संभव है कि टिकट बंटवारे में जिस गणित का ध्यान रखा गया है, उसका परिणाम आये और बसपा दो से तीन सीटें जीत भी जाए।

अगर वह सीट जीतने में कामयाब नहीं भी होती है तो दूसरे दलों के उम्मीदवारों की हार जीत का कारण तो बन ही जाएगी। जौनपुर को ही देखें तो धनंजय सिंह की पत्नी को टिकट देकर बसपा ने भाजपा के ठाकुर उम्मीदवार की परेशानी बढ़ा दी है। इसी तरह मुजफ्फरनगर में जहां भाजपा और सपा ने जाटों पर दांव लगाया है वहीं बसपा ने एक पिछड़ी जाति के उम्मीदवार को टिकट दे दिया है। बिजनौर में भाजपा ने गुज्जर को टिकट दिया और सपा ने सैनी को। उम्मीद की जा रही थी कि बसपा मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दे सकती है। अगर ऐसा होता तो वह सपा कांग्रेस का वोट काटने का काम करता जबकि बसपा ने जाट उम्मीदवार को टिकट दे दिया। इस तरह इस सीट पर जाट, गुज्जर और सैनी की त्रिकोणीय लड़ाई हो गयी।

बालाघाट से बारामती तक चुनावी चक्कर में बिखर रहे परिवार

सिद्धार्थ शंकर गौतम

देश की राजनीति ऐसी होती जा रही है कि समाज में ही बंटवारा नहीं हो रहा बल्कि घरों में भी फूट पड़ रही है और पति पत्नी के रिश्ते तक बिखर रहे हैं। मध्य प्रदेश की बालाघाट लोकसभा सीट पर इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है जहां पति पत्नी के दिलों में राजनीति ने दरार पैदा कर दी है।

1989 में बालाघाट से निर्दलीय सांसद कंकर मुंजारे परसवाड़ा विधानसभा सीट से 1985 में जनता पार्टी की टिकट पर, 1993 में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी से और 1998 में पुन: जनता पार्टी की टिकट पर विधायक चुने गए थे जबकि इनकी पत्नी अनुभा मुंजारे सात बार विधानसभा चुनाव और तीन बार सांसदी का चुनाव लड़ने के पश्चात आखिरकार 2023 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में बालाघाट विधानसभा सीट से पहली महिला विधायक बनने में सफल हुईं।

इस हिसाब से कंकर मुंजारे का राजनीतिक अनुभव अपनी पत्नी के मुकाबले अधिक है जिसे अनुभा भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार करती हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि वे अपने पति के चलते ही राजनीति में आई अन्यथा वे स्कूल में अध्यापिका होतीं। विपरीत वैचारिक मत के बाद भी दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं किंतु लोकसभा चुनाव में अब एक-दूसरे पर जमकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

दरअसल, कंकर मुंजारे इस बार बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर बालाघाट संसदीय सीट से लोकसभा प्रत्याशी हैं जबकि उनकी पत्नी कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह सरस्वार के लिए वोट मांग रही हैं। हालांकि ऐसा पहले भी हुआ है कि एक ही परिवार के सदस्य भिन्न प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करें किंतु इन पति-पत्नी का मामला अनोखा होता जा रहा है। कंकर मुंजारे ने वैचारिक मतभेद के चलते अपना घर छोड़कर बालाघाट से 20 किलोमीटर दूर खेत में झोपड़ी बना ली है और वे वहीं रह रहे हैं जबकि उनकी पत्नी अपने

बेटे के साथ घर में रहती हैं।

कंकर मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह पर राजनीतिक हमले करने के बजाए अपनी विधायक पत्नी पर क्षेत्र की अनदेखी करने और ओलावृष्टि के समय मथुरा-वृन्दावन घूमने का आरोप लगा रहे हैं जिस पर उनकी पत्नी %सब आपसे ही सीखा है% कहकर कंकर मुंजारे को असहज कर रही हैं। कंकर तो यहां तक भी बोल गए कि यदि अनुभा उनकी पत्नी न होतीं तो वे विधायक बनने के लायक ही नहीं थीं।

दोनों के बीच वैचारिक मतभेद उनके घर पर भी दिख रहा है जहां कांग्रेस का झंडा लगा है और बसपा का झंडा कंकर मुंजारे ने उतारकर अपनी झोपड़ी पर लगा दिया है। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के मतदान में बालाघाट सीट पर जब मतदान पूर्ण होगा, उसके बाद कंकर मुंजारे ने अपने घर वापस जाने की बात कही है किंतु जो राजनीतिक अलगाव दोनों में हो गया है, उससे क्या इनका आपसी सामंजस्य और वैवाहिक जीवन पटरी पर आ पाएगा, यह मध्य प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि कंकर मुंजारे कांग्रेस से लोकसभा का टिकट मांग रहे थे जो उन्हें नहीं मिला और अनुभा मुंजारे जिन सम्राट सिंह का चुनाव प्रचार कर रही हैं, उनके पिता अशोक सिंह सरस्वार से वे स्वयं दो बार विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं।

शरद पवार के गढ़ बारामती लोकसभा में भी स्थिति ऐसी बन गई है जो आम जनता के साथ ही पवार परिवार को असहज कर रही है। अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के सामने एनसीपी संस्थापक शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले खड़ी हैं जिससे पहले से छिन्न-भिन्न पवार परिवार में और कलह बढ़ गई है। ननद-भाभी के बीच की लड़ाई ने चाचा-भतीजा के आपसी मतभेद को मनभेद में बदल दिया है।

शरद पवार किसी भी कीमत पर सुप्रिया सुले को जिताना चाहते हैं जबकि अजीत पवार अपनी पत्नी के सहारे अपने चाचा को राजनीतिक रूप से समाप्त करना चाहते हैं। यह तभी संभव है, जब वे चाचा से बारामती छीन लें क्योंकि चाचा की राजनीतिक गर्भनाल बारामती है। एक बार बारामती से चाचा को दूर किया तो पूरी राजनीतिक विरासत पर अजीत पवार का कब्जा हो जाएगा। तब सुप्रिया सुले को भी उनकी सरपरस्ती में आना होगा और यही शरद पवार नहीं चाहते।

इसलिए शरद पवार सुप्रिया की जीत में कोई कसर नहीं छोड़ रहे किंतु क्षेत्र में अजीत पवार का भी खासा समर्थक वर्ग है जो शरद पवार को चिंतित कर रहा है। राजनीतिक विरासत के चलते टूट चुके पवार परिवार की वैचारिक लड़ाई अब परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी दुविधा का कारण बन रही है।

2019 में लोकसभा चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस के नेता सौमित्र खान ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था और विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद भी बन गए। उनके चुनाव प्रचार में उनकी पत्नी सुजाता मंडल ने दिन-रात एक कर दिए किंतु 2022 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सुजाता मंडल ने भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ले ली जिससे उखड़कर सौमित्र खान ने सुजाता मंडल से तलाक ले लिया। दोनों राजनीति की अलग-अलग पटरियों पर सरपट दौड़ रहे थे किंतु लोकसभा चुनाव ने दोनों को पुन: एक-दूसरे के सामने ला खड़ा किया। सौमित्र खान विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं जबकि सुजाता मंडल को तृणमूल कांग्रेस ने इसी लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब दोनों पति पत्नी एक-दूसरे पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं जबकि दोनों ने 2016 में प्रेम विवाह किया था।

गरीबी को लेकर पक्ष-विपक्ष के अपने-अपने दावे

अंकित सिंह

देश में लोकसभा चुनाव के लिए अलग-अलग मुद्दे सामने आ रहे हैं। इन सब के बीच विपक्ष की ओर से महंगाई और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। गरीबी भी एक बड़ा मुद्दा है जिसे इस बार के चुनाव में विपक्ष बार-बार उठा रहा है। भाजपा के मेनिफेस्टो पर भी राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों का दावा है कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसे शब्द भाजपा के घोषणा पत्र से गायब है। खुद राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है और उसके बाद महंगाई का नंबर आता है। हालांकि भाजपा यह लगातार दावा कर रही है कि मोदी राज में महंगाई कम हुआ है। युवाओं को भी रोजगार अच्छी खासी संख्या में मिली है। लोगों का जीवन स्तर सुधरा है। इन सब के बीच राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में सभा करते हुए ऐलान कर दिया कि हम अगर सत्ता में आते हैं तो एक झटके में ही हिंदुस्तान से गरीबी मिटा देंगे। इसके बाद से अब राजनीति शुरू हो गई है। राहुल ने लोगों से कहा कि हम आपका जीवन बदलना चाहते हैं, हम आपकी मदद करना चाहते हैं। अगर नरेंद्र मोदी करोड़पतियों को पैसा दे सकते हैं, तो कांग्रेस वह पैसा गरीबों को दे सकती है। और इसलिए हम एक नई नीति, महालक्ष्मी ला रहे हैं, जिसे चुनाव जीतने के तुरंत बाद लागू किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) से, हम हर परिवार में एक महिला का चयन करेंगे, और हमारी सरकार महिला के खाते में प्रति माह 8,500 रुपये देगी, और एक वर्ष में हम इन महिलाओं को कुल 1 लाख रुपये देंगे। एक झटके से, हिंदुस्तान से हम गरीबी को मिटा देंगे। अब राहुल गांधी ने अपने इस बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई नहीं कह रहा है कि गरीबी को एक ही झटके में मिटाया जाएगा। हम यह कह रहे हैं कि गरीबी को गहरी चोट पहुंचाई जा सकती है और तरीके मैंने आपको बताये हैं। राहुल के बयान पर मोदी ने पलटवार किया। मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजकल हम देखते हैं कि एक शब्द के प्रति कोई प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी नहीं है। आपने किसी नेता के पुराने वीडियो घूमते हुए देखे होंगे, जहां उनके हर विचार विरोधाभासी होते हैं। जब लोग यह देखते हैं तो उन्हें लगता है कि यह नेता जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में, मैंने एक राजनेता को यह कहते हुए सुना, एक झटके में गरीबी हटा दूंगा। जिनको 5-6 दशक तक सत्ता में रहने का मौका मिला, वो जब ऐसा कहते हैं तो देश को लगता है कि ये क्या कह रहा है? उन्होंने कहा कि हताश कांग्रेस ऐसी घोषणाएं कर रही है जो खुद कांग्रेस नेताओं को समझ नहीं आ रही है। कांग्रेस के युवराज ने अभी कुछ ऐसा ऐलान किया है जिसे सुनकर आपकी हंसी छूट जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि वह देश से गरीबी को एक झटके में खत्म कर देंगे। आखिर ये शाही जादूगर इतने सालों तक कहां छुपा हुआ था? 50 साल हो गए जब उनकी दादी ने देश से गरीबी हटाने की घोषणा की थी। 2014 से पहले 10 साल तक उन्होंने रिमोट से सरकार चलाई और कह रहे हैं कि उन्हें %झटके वाला% मंत्र मिल गया है, उन्हें यह %झटके वाला% मंत्र कहां से मिला? मुझे बताओ, क्या यह गरीबों का मजाक नहीं है? क्या यह गरीबों का अपमान नहीं है? वे ऐसे दावे करते हैं और इस वजह से हंसी का पात्र बन जाते हैं और देश उन्हें गंभीरता से नहीं लेता। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में गरीबी बड़ा मुद्दा रहा है। देश में आजादी के बाद जितनी भी सरकारी आई हैं, सबने गरीबी मिटाने का दावा किया है। हालांकि कई सरकारी आई और गई, लेकिन गरीबों के स्तर में कुछ खास सुधार नहीं देखा गया। चुनाव में वोटरों को हसीन सपने दिखाने के लिए गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन चुनाव परिणाम आने के साथी यह मुद्दे गायब भी हो जाते हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में हमने कभी नहीं देखा कि संसद में इन मुद्दों को लेकर कुछ खास चर्चा हुई हो। हां, अन्य मुद्दों को लेकर हमने हंगामा खूब देखा है। इन सबके बीच मोदी सरकार का दावा है कि उनके पिछले 9 से 10 साल के कार्यकाल में लगभग 25 करोड लोग बहुआयामी गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। गरीबी हटाने के लिए ही मोदी सरकार की ओर से मुफ्त अनाज योजना चलाई जा रही है। ऐसे में एक ओर जहां गरीबी को चुनावी मुद्दा बनाकर विपक्ष राजनीति की कोशिश कर रहा है। तो वहीं सत्ता पक्ष के अपने अलग दावे हैं।

कृष्ण की नगरी में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर

बुर्ज खलीफा भी इसके सामने लगेगा छोटा!

इस्कॉन के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में भगवान श्री कृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। वृन्दावन हेरिटेज टॉवर 70 मंजिल ऊंचा और 210 मीटर होगा, जो आठ करोड़ अमरीकी डालर की लागत से बनाया जा रहा है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा धार्मिक स्मारक होगा।

वृन्दावन हेरिटेज टॉवर एक अष्टकोणीय संरचना है जिसमें उत्तर इकाई, दक्षिण इकाई, पूर्व इकाई और पश्चिम इकाई है। मंदिर परिसर में आवास सुविधाएं होंगी, जो पर्यटकों के अनुभव को अच्छा बनाएंगी। मंदिर की योजना इस्कॉन बैंगलोर द्वारा बनाई गई है। नियोजित प्रयास में मंदिर को लगभग 210 मीटर (700 फीट) की ऊंचाई तक बढ़ाना शामिल है और 50,000 वर्ग मीटर (540,000 वर्ग फुट) का निर्मित क्षेत्र होगा। बताया जा रह है कि टावर का डिजाइन वृंदावन के ही दो मंदिर राधा मदन मोहन मंदिर और श्री राधा गोविंद देव मंदिर की प्रेरणा से ली गई है । यह दोनों मंदिर के समागम से ब्रजभूमि की समृद्ध विरासत उजागर होगी। कहा जाए तो आने वाले समय में वृंदावन हेरीटेज टावर न सिर्फ एक टूरिज्म हब की दृष्टिकोण से बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप में भी एक बड़ा कदम साबित होगा । यह ब्रज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का समागम होगा। इसके माध्यम से प्रचारित भगवान श्री कृष्ण और श्रीमद् भगवद् गीता का उपदेश देश विदेश के लोगों के जीवन में सनातन धर्म की प्रेरणा देगा। मथुरा जिले में चंद्रोदय मंदिर का शिलान्यास समारोह 16 मार्च 2014 को होली के शुभ अवसर की पूर्व संध्या पर किया गया था, तब से इसके बनने का इंतजार हो रहा है। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कॉन बैंगलोर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह सकते। उन्होंने कहा- हमार पास विदेशियों को भारत लाने और उन्हें दिखाने के लिए आध्यात्मिक बुनियादी ढांचा, धार्मिक बुनियादी ढांचा होना चाहिए, जिन पर आप गर्व कर सकें। जब आप उन्हें वृन्दावन लाएंगे, तो आपको कृष्ण के संदेश पर निर्मित इस प्रकार का विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा निर्मित होना चाहिए और इसलिए यह एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को घूमाने ले जाएं इन जगहों पर, मात्र 5 हजार में बनाएं ट्रिप का प्लान

समर वेकेशन में आपके बच्चे कहीं जाने की जिद कर रहे हैं तो आप इन जगहों पर जरुर जाए, जहां आप कम खर्चे में घूम सकें। आप इन जगहों पर अपने पूरे परिवार के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं कम बजट में घूमने का प्लान।

गर्मियों की छुट्टियों में हर घर में बच्चों की यह शिकायत रहती है कि उनके माता-पिता कहीं घुमाने नहीं ले जाते है। ऐसे में बच्चे काफी जिद करते हैं कि समर वेकेशन में कहीं तो घूमने चलो।

वहीं, माता-पिता अपने काम में बिजी होने की वजह से ट्रिप प्लान नहीं करते। कभी-कभार तो बजट की कमी से लोग कहीं घूमने नहीं जाते और उनका प्लान कैंसिल हो जाता है। अगर आप भी कम बजट में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। चलिए आपको बताते हैं कम बजट में घूमने का प्लान।

माउंट आबू

राजस्थान में स्थित एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू, बच्चों के साथ घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यहां पर घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं, जैसे- निक्की झील, गुरु शिखर, टॉड रॉक व्यू पॉइंट और दिलवाड़ा जैन मंदिर।

कैसे पहुचें - अगर आप अपने परिवार के साथ कम बजट में घूमना चाहते हैं तो आप ट्रेन से ट्रेवल कर सकते हैं। माउंट आबू के सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन आबू रोड रेलवे स्टेशन है।

हरिद्वार और ऋषिकेश

बच्चों को घूमाने के लिए आप हरिद्वार और ऋषिकेश जैसी जगहों का प्लान बना सकते हैं। गर्मी की छुट्टियों को एन्जॉय करने के लिए यह जगह भारत के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से हैं।

कैसे जाएं- नजदीकी रेलवे स्टेशन हरिद्वार जंक्शन है। ट्रेन से ट्रैवल करने पर आपका अधिक खर्चा नहीं होगा।

महाबलेश्वर

मुंबई में मौजूद यह जगह परिवार के साथ घूमने के लिए सबसे अच्छी है। महाराष्ट्र में गर्मियों में यहां लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। यह हिल स्टेशन आपको चिलचिलाती गर्मी और उमस से राहत दिलाएगा। यहां आप मंदिर, झरने और प्रतापगढ़ किला ट्रेक कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे- महाबलेश्वर से निकटम रेलवे स्टेशन वाथर है, वहीं यह मुंबई से 60 किमी दूरी पर स्थित है।

डलहौजी

समर वेकेशन के लिए अगर आप अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं, तो उत्तराखंड की प्रसिद्ध जगह पर जाने का प्लान बना सकते हैं। डलहौजी में घूमने के लिए अच्छी जगहें है, जो आपका ट्रिप और भी ज्यादा रोमांचक बना देगी। यह गर्मियों में घूमने के लिए सबसे अच्छी और ठंडी जगहों में से एक है।

कैसे जाएं- नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, यहां से आप जा सकते हैं।

मसूरी

गर्मियों की छुट्टियों पर आप अपने बच्चों के साथ मसूरी जाने का प्लान बना सकते हैं। कम बजट वालों के लिए यह सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

क्या आप जानते हैं दुनिया के सबसे पुराने पहाड़ कहां स्थित है?

यहां प्रकृति के बीच रहकर हो जाता हैं रोग दूर का एहसास

दिव्यांशी भदौरिया

पृथ्वी की आयु लगभग 4.54 अरब वर्ष आंकी गई है और यहां पर सुंदर जगह देखने के लिए कई चीजें, इनकी आयु भी अरबों साल पुरानी है, जैसे कि पहाड़। इनकी अपनी अलग ही हिस्ट्री है आइए आपको बताते हैं दुनिया के सबसे पुरान पहाड़ कहा पर स्थित है। यहां पर आपको चट्टानों के नैचुरल कलर्स देखने को मिलेंगे।

इस संसार में संदुर सी जगहों की कमी नहीं। ऐसे बहुत से स्थान है, जो अपनी प्रकृतिक ब्यूटी से घिरी हुई है। बता दें कि, पृथ्वी की आयु लगभग 4.54 अरब वर्ष आंकी गई है और यहां पर सुंदर जगह देखने के लिए कई चीजें, जो एक हिस्ट्री से कम नहीं है, जैसे कि पहाड़। आपको नहीं पता होगा कि दुनिया भर में कुछ ऐसे पहाड़ हैं, जिनकी आयु एक अरब वर्ष से भी अधिक है, आइए आपको बताते हैं।

बार्बरटन माउंटेन, दक्षिण अफ्रीका, 3.5 अरब वर्ष पुराना

मखोंजवा माउंटेन के रुप में जाना जाने वाला यह बार्बरटन माउंटेन दुनिया का सबसे पुराना पहाड़ो में एक है। यह दक्षिण अफ्रीका के बार्बरटन ग्रीनस्टोन बेल्ट में है। वहीं यहां की प्राचीन सरचनाएं लगभग 3.5 अरब वर्ष पुरानी है। यहां पर देखने के लिए व्यू में ग्रीनस्टोन भी है। इस पहाड़ की पीक पॉइंट उतना ऊंचा नहीं है लेकिन फिर भी यह अपनी हिस्ट्री और खूबसूरत व्यू के लिए बहुत ही खूबसूरत।

वॉटरबर्ग पर्वत, दक्षिण अफ्रीका - 2.8 अरब वर्ष पुराना

दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में स्थित वॉटरबर्ग पर्वत लगभग 2.8 अरब वर्ष पुराना माना जाता है। यह पहाड़ बड़े वॉटरबर्ग बायोस्फीयर रिज़र्व के भीतर बसा हुआ है। यहां पर आकर्षक लाल बलुआ पत्थर की चट्टानों और पठारों देखने को मिलेगा। प्रोटेरोज़ोइक ईऑन के दौरान बना, यह पृथ्वी के प्रारंभिक भूवैज्ञानिक इतिहास की एक मनोरम झलक पेश करते हैं।

गुयाना हाइलैंड्स, वेनेजुएला - 2.0 अरब वर्ष पुराना

यह पहाड़ पृथ्वी पर सबसे पुराने भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में से एक, उत्तरी दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला में स्थित है। लगभग 2 अरब वर्ष की अनुमानित आयु के साथ, ग्रेनाइट और नीस सहित प्राचीन क्रिस्टलीय चट्टानें हैं। वहीं यहां का आकर्षक व्यू में पहाड़ों के फलैट-टॉपड पीक भी शमिल हैं।

हैमरस्ले रेंज, ऑस्ट्रेलिया - 3.4 अरब वर्ष पुराना

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में हैमरस्ले रेंज लगभग 3.4 बिलियन वर्ष की आयु के साथ विश्व स्तर पर दूसरी सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है। पिलबारा क्रेटन का हिस्सा बनकर, यह प्राचीन भूवैज्ञानिक संरचना प्राचीन वोल्केनो एक्टिविटी और समुद्री घाटियों के स्थिरीकरण से उत्पन्न हुई है। हैमरस्ले पर्वत श्रृंखला में लौह-समृद्ध धरती का विशाल विस्तार है, जो ऊबड़-खाबड़ चट्टानों और घुमावदार पहाड़ियों के साथ जीवंत लाल और भूरे रंग की विशेषता है। यहां पर आपको चट्टानों के नैचुरल कलर्स देखने को मिलेंगे।

सेंट फ्रेंकोइस पर्वत, अमेरिका, 1.5 अरब वर्ष पुराना

दक्षिण-पूर्वी मिसौरी में बना, सेंट फ्रेंकोइस माउंटेन लगभग 1.5 अरब पुराना है। ऊबड़-खाबड़ संरचना और पिंक-रेड ग्रेनाइट के साथ यह पहाड़ काफी पुराना है और यह वोल्केनो एक्टिविटी के जरिए उत्पन्न हुआ था। यहां पर आफको कोबाल्ट और निकल सहित कई चीजें देखने लायक हैं।

मैगलिसबर्ग पर्वत, दक्षिण अफ्रीका - 2.3 अरब वर्ष पुराना

दक्षिण अफ्रीका के उत्तर पश्चिम प्रांत में स्थित इस पहाड़ की आयु लगभग 2.3 वर्ष है। आर्कियन ईऑन से संबंधित ये पहाड़, एक प्राचीन समुद्र में सेडिमेंट के कारण बने थे। यह पहाड़ मैगलिसबर्ग के ऊबड़-खाबड़ इलाके में खड़ी चट्टाने और गहरी घाटियां हैं। यहां पर आस-पास के इलाके में स्टेर्कफोंटेन गुफाएं शामिल है।

त्रिलोकपुर मंदिर में नमक की बोरी में आई थीं माता बाला सुंदरी

यहां प्रसिद्ध बाला सुंदरी चैत्र नवरात्र मेला प्रारंभ, जो 23 अप्रैल तक

भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के सिरमौर ज़िले के त्रिलोकपुर ग्राम में स्थित बाला सुंदरी मन्दिर में चैत्र नवरात्रि की अलग ही धूम देखने को मिल रही है। यहां प्रसिद्ध बाला सुंदरी चैत्र नवरात्र मेला प्रारंभ हो गया है जो 23 अप्रैल तक श्रद्धापूर्वक धूमधाम के साथ आयोजित किया जायेगा ।यहं मंदिर उत्तर भारत का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, यहां पर प्रत्येक वर्ष नवरात्रों में लाखों संख्या में श्रद्धालु माथा टेकने आते हैं।

मां दुर्गा नवरात्र के मौके पर संपूर्ण त्रिलोकपुर क्षेत्र माता बालासुंदरी की श्रद्धा में भक्तिमय दिखाई पड़ा। हाथों में मां दुर्गा का ध्वज लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु बिना थके, बिना रूके, मां बालासुंदरी का जयकारा लगाते भक्तिभाव से मंदिर में दर्शन हेतु पहुंच रहे हैं। । श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस पावन स्थली पर माता पर साक्षात रूप में विराजमान है।

इस क्षेत्र में एक त्रिकोण के तीन कोनों पर स्थित दुर्गा के तीन मन्दिर हैं, जिनमें देवी के अलग-अलग स्वरूप विराजमान हैं। त्रिलोकपुर में स्थित मुख्य मन्दिर में भगवती त्रिपुर बाला सुन्दरी का मन्दिर है, जिसमें दुर्गा का बालावस्था का रूप है। यहां से 3 किमी दूर भगवती ललिता देवी का मन्दिर है और 13 किमी पश्चिमोत्तर में तीसरा मन्दिर है। भगवती बाला सुंदरी का यह मंदिर पिछले कुछ दशकों से बहुत अधिक विख्यात हुआ है।

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख मंदिरों जैसे चिंतपूर्णी, नैना देवी, ज्वाला देवी, कांगड़ा, चामुण्डा और बगलामुखी आदि मंदिरों से भी ज्यादा श्रद्धालु नवरात्र मे यहां दर्शन करने आते हैं। मान्यता है कि सन 1570 में राम दास नामक एक स्थानीय व्यापारी ने एक नमक की बोरी खरीदी, जिसमें एक पिण्डी पाई गई।

यह देवी मां के बालसुन्दरी जी रूप का प्रतीक एक पवित्र पत्थर था। लाला राम दास बोरी से नमक बेचते रहे, लेकिन बोरी भरी की भरी ही रही

फिर देवी राम दास को एक स्वप्न में प्रकट हुई। उन्होंने राम दास को बताया कि कैसे वे देवबन से अदृश्य हुई थीं और उसे इस पिण्डी स्वरूप को लेकर त्रिलोकपुर में एक मन्दिर बनाकर स्थापित करते का आदेश दिया। यहाँ उन्होंने महामाया बालासुन्दरी को समर्पित पूजा का आदेश दिया, जो माता वैष्णो देवी का बाल स्वरूप हैं।

लाल राम दास के पास मन्दिर बनवाने के लिए पर्याप्त धन नहीं था, इसलिए वे सिरमौर राज्य के राजा के पास पैसा मांगने गए, जो उन्हें दे दिया गया। राम दास ने मन्दिर निर्माण आरम्भ करा और उसी वर्ष जयपुर से संगमरमर का मन्दिर बनवाने के लिए निपुण कारीगर बुलवाए। मन्दिर सन् 1573 में बनकर पूरा हुआ और देवी बाल सुन्दरी को समर्पित कर दिया गया। यहं राजघराने ने भी पूजा करनी आरम्भ कर दी। सन् 1823 में महाराज फतेह प्रकाश और फिर 1851 में महाराज रघुबीर प्रकाश ने मन्दिर की मरम्मत करवाई।

माउंट एवरेस्ट से कम है कैलाश पर्वत की ऊंचाई, फिर भी नहीं मुमकिन उसकी चढ़ाई

कैलाश पर्वत को भगवान शंकर का निवास स्थान माना जाता है। कहते हैं कि भोलेनाथ आज भी अपने परिवार के साथ वहीं पर रहते हैं। यहां पर कई सारे अद्भूत रहस्यों भी है। कोई भी शख्स आज तक इस पर्वत को फतेह नहीं कर पाया, जबकि माउंट एवरेस्ट इससे कहीं ऊंचा है और लोग ने उसकी चढ़ाई कर ली है। इस पर्वत को लेकर कई सारे मान्यताएं भी है।

देवताओं और पुण्य आत्माओं का निवास स्थान है कैलाश

कैलाश पर चढ़ाई नहीं कर पाने के पीछे ये कारण माना जाता है कि कैलाश पर भगवान शिव का निवास स्थान है। इसके साथ ही कई सारे देवी- देवता और पुण्य आत्माएं भी यहां निवास करती हैं। माना जाता है कि सिर्फ वही व्यक्ति कैलाश पर्वत जाने योग्य है जिसने कभी कोई पाप न किया हो। इसके साथ ही कई मान्याओं के अनुसार इस पर्वत के चारों ओर एक अलौकिक शक्ति का प्रवाह होता है, जो किसी भी साधारण मनुष्य को यहां आने से रोकता है। इसलिए ये माना जाता है कि कोई भी जीवित व्यक्ति कैलाश की चढ़ाई नहीं कर पाता है।

वैज्ञानिकों ने बताया ये कारण

जहां ज्यादातर लोग कैलाश पर्वत की चढ़ाई न कर पाने के पीछे वैज्ञानिक कारण मानते हैं, वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि कैलाश पर्वत ब्रह्मांड और धरती के बीच का केंद्र है। एवरेस्ट की तुलना में यहां का वातावरण काफी ज्यादा खतरनाक है। वैज्ञानिकों की मानें तो यहां पर मैग्नेटिक फील्ड बहुत ज्यादा सक्रिया है।

अब तक पहले किसने की है चढ़ाई

इस पर्वत को अभी तक बस एक ही इंसान फतेह कर पाया है और था तिब्बती बौद्ध योगी मिलारेपा। 11वीं सदी में उन्होंने इस पर्वत की चढ़ाई की और जिंदा भी लौटे थे। हालांकि उन्होंने अपने बातें किसी के साथ शेयर नहीं किया।

जैन धर्म में मन्याताएं हैं कि कैलाश पर्वत पर ही ऋषभनाथ को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। वहीं, दूसरी ओर बौद्ध धर्म के अनुयायी यह मानते हैं कि कैलाश पर्वत के शिखर पर ही बुद्ध का निवास है। वहीं ज्यादातर लोगों को यहां पर चढ़ाई की कोशिश में मौत हाथ लगी। वहीं यहां पर चढ़ाई के दौरान वक्त तेजी से बितात है और कई लोग बूढ़े भी तेजी से हो जाते हैं और फिर मर जाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

20 साल में कांग्रेस के युवा नेता की लॉन्चिंग नहीं हो पाई

पथानामथिट्टा। भाजपा नेता और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि राहुल के पास अमेठी से चुनाव लड़ने का साहस नहीं है। दरअसल, 2019 लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद ही राहुल गांधी ने अमेठी छोड़कर केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला किया। केरल के पथानामथिट्टा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार अनिल के. एंटनी के समर्थन में एक बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने ऐसा सुना है कि वायनाड की जनता उन्हें (राहुल गांधी) अपना सांसद बनाने से इनकार कर दिया है। भाजपा नेता ने आगे कहा, देश में आंतरिक्ष की विभिन्न परियोजनाएं शुरू की गई है, लेकिन पिछले 20 साल में कांग्रेस के युवा नेता की लॉन्चिंग नहीं हो पाई है। न तो कांग्रेस ने राहुलयान को लॉन्च किया और न ही इसकी लैंडिंग कराई।

भाजपा शासित राज्य में लड़ने से डर रहे हैं राहुल : आजाद

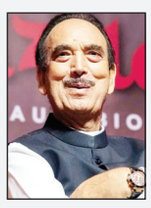

श्रीनगर। राजनीति में अतीत नाम की कोई चीज नहीं होती. सब कुछ चालू है। इसका प्रमुख उदाहरण गुलाम नबी आज़ाद हैं। उन्होंने कांग्रेस से आधी सदी का रिश्ता तोड़ लिया है। उन्होंने उस पार्टी के नेता पर तंज कसा। मोदी के दोस्त आज़ाद ने टिप्पणी की कि राहुल गांधी भाजपा शासित राज्यों में लड़ने से डरते हैं। कांग्रेस नेता के अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला को भी दूध का बच्चा कहकर चिढ़ाया गया। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेता के मुताबिक राहुल अल्पसंख्यक आबादी वाले इलाकों में चुनाव लड़ना चाहते हैं. डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के नेता ने कहा कि राहुल गांधी बीजेपी शासित राज्यों में वोट के लिए लड़ने से क्यों झिझक रहे हैं? वह बीजेपी से लड़ने की बात करते हैं, भले ही वह क्षेत्र में अन्य काम कर रहे हों। बीजेपी शासित राज्यों से बाहर निकलकर अल्पसंख्यक आबादी वाले इलाकों में शरण क्यों लें?

अपनी धर्मनिरपेक्ष विरासत से भटक गई है कांग्रेस : विजयन

तिरवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी अपनी धर्मनिरपेक्ष विरासत से काफी हद तक भटक गई है। गुरुवार को मलप्पुरम जिले में मीडिया को संबोधित करते हुए, विजयन ने कहा कि कांग्रेस को वैचारिक और राजनीतिक रूप से भाजपा से मुकाबला करने में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि उसने खुद को भाजपा की बी-टीम में बदल दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि समाचार-केंद्रित पीआर एजेंसियों द्वारा तैयार की गई बयानबाजी से परे, कांग्रेस के पास भाजपा का विरोध करने के लिए किसी भी वास्तविक वैचारिक या व्यावहारिक प्रेरणा का अभाव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के साथ कांग्रेस की प्रतिद्वंद्विता मुख्य रूप से चुनावी राजनीति और सत्ता संघर्ष तक ही सीमित है, न कि ठोस वैचारिक मतभेदों में निहित है।

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से नारायण राणे को भाजपा ने दिया टिकट

नईदिल्ली। भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को रत्नागिरी सिंधुदुर्ग से टिकट दिया है। इस सूची को राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी किया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में विनायक राउत रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से जीते थे, जबकि खुद भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे इस सीट से चुनाव हार गए थे। विनायक राउत को 2019 लोकसभा चुनाव में 458022 वोट मिले, जबकि नीलेश नारायण राणए को 279700 वोट ही मिले, इस लिए विनायक को बड़े अंतर से जीत मिली थी। महाराष्ट्र में कुल 48 लोकसभी सीटें हैं और रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट में करीब 6 विधानसभाएं शामिल हैं। महाराष्ट्र में कुल 48 लोकसभी सीटें हैं और रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट में करीब 6 विधानसभाएं शामिल हैं। रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले की तीन-तीन विधानसभाओं को मिलाकर बनाई गई थी।

झारखंड की 4 लोकसभा सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी

नईदिल्ली। झारखंड की 4 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही झारखंड में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 3 एवं अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 1 लोकसभा सीट के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार (18 अप्रैल) को अधिसूचना जारी की है। 25 अप्रैल तक लोग नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 26 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 29 अप्रैल है। यानी नामांकन दाखिल कर चुके लोग अगर नाम वापस लेना चाहें, तो इस तारीख तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। झारखंड में 4 लोकसभा सीटों पर 13 मई को मतदान होगा। उस समय पूरे देश में चौथे चरण का मतदान चल रहा होगा। जिसमें सिंहभूम (एसटी), खूंटी (एसटी), लोहरदगा (एसटी) और पलामू (एससी) लोकसभा शामिल हैं।

ईडी का कोर्ट में दावा- जानबूझ कर जेल में मीठा खा रहे हैं दिल्ली के मुख्यमंत्री

मेडिकल ग्राउंड पर बेल के लिए अरविंद केजरीवाल ने निकाली अनोखी तरकीब

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को अदालत को बताया कि मधुमेह से पीड़ित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ाने और चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए रोजाना आम, आलू पुरी और मिठाइयां खा रहे हैं। ईडी ने यह दावा तब किया जब अदालत केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें दिल्ली शराब नीति मामले में गिरफ्तार किया गया है और उन्होंने डॉक्टर से परामर्श मांगा है। दिल्ली की एक अदालत केजरीवाल द्वारा उनके शुगर लेवल की लगातार निगरानी करने और उन्हें अपने डॉक्टर से परामर्श करने की अनुमति देने के लिए दायर आवेदन पर सुनवाई कर रही थी। आवेदन में बताया गया कि केजरीवाल के रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव हो रहा है और उन्हें अपने नियमित डॉक्टर से परामर्श करने की आवश्यकता है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सप्ताह में तीन बार वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपने डॉक्टर से परामर्श करने की आवश्यकता है।

केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विवेक जैन ने एजेंसी की दलील पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ईडी के वकील गैलरी में खेल रहे थे और मीडिया के उपभोग के लिए बयान दे रहे थे। जैन ने अदालत को यह भी बताया कि केजरीवाल आवेदन वापस ले रहे हैं और बेहतर आवेदन दायर करेंगे। अदालत ने केजरीवाल के आहार पर जेल अधिकारियों से मेडिकल रिपोर्ट मांगी और मामले को कल के लिए टाल दिया।

कोर्ट ने 26 अप्रैल तक बढ़ाई मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत

दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को आप नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 26 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसौदिया को उनकी पहले बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया गया था। सोमवार को कोर्ट ने कहा कि वह आप नेता की जमानत अर्जी पर 20 अप्रैल को सुनवाई जारी रखेगी।

न्यायाधीश बवेजा ने सिसौदिया के वकील और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश वकील की दलीलें सुनी थीं। इससे पहले, ईडी ने सिसौदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों पर मामले की सुनवाई में देरी करने का आरोप लगाया था। सिसोदिया की जमानत याचिका उनके वकील मोहित माथुर ने दायर की थी, जिसमें मामले की जांच पूरी करने में देरी का आरोप लगाया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि उनके मुवक्किल को कथित रिश्वत के पैसे से जोड़ने का कोई सबूत नहीं मिला है।

उन्होंने तर्क दिया था कि अपराध की कथित आय से सरकारी खजाने या निजी उपभोक्ताओं को कोई नुकसान होने की बात साबित नहीं हुई है। माथुर ने मुकदमे में देरी पर भी जोर दिया, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का सिसौदिया को अदालत जाने की इजाजत देने वाला आदेश छह महीने पुराना है और जांच अब तक पूरी हो जानी चाहिए थी। मामले में एक अन्य आरोपी बेनॉय बाबू को दी गई जमानत का हवाला देते हुए, माथुर ने सिसौदिया की जमानत के लिए दलील देते हुए कहा था कि वह अब प्रभावशाली पद पर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया था कि सिसौदिया ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा बताए गए ट्रिपल टेस्ट को पूरा किया और त्वरित सुनवाई का आग्रह किया।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में आप विधायक अमानतुल्ला खान से ईडी की पूछताछ

आप विधायक अमानतुल्ला खान गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। ओखला विधानसभा सीट से 50 वर्षीय विधायक की गवाही उनके कार्यकाल के दौरान दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले सप्ताह उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करने के बाद हुई है। शीर्ष अदालत ने उन्हें 18 अप्रैल को जांच में शामिल होने का निर्देश दिया।

आज सुबह पत्रकारों से बात करते हुए खान ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। खान के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एफआईआर और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतों से जुड़ा है।

ईडी, जिसने विधायक के परिसरों पर छापेमारी की थी, ने दावा किया है कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती के माध्यम से अपराध की बड़ी रकम नकद में अर्जित की और उसे अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने के लिए निवेश किया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं को संदेश

यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान से एक दिन पहले, बृहस्पतिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे जनता को बताएं कि भारतीय जनता पार्टी हिंदुस्तान की सोच पर हमला कर रही है और संविधान को मिटाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कोई आम चुनाव नहीं है बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान का चुनाव प्रचार थम गया है। सभी पार्टियों ने पहले चरण के चुनाव में जी-जान लगाकर चुनाव प्रचार किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा, आप हमारी पार्टी की रीढ़ की हड्डी हैं। मैंने सोचा कि चुनाव का समय है, अत: मैं आपसे थोड़ी सी सीधी बात कर लूं। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है, इसलिए आप सभी पर बड़ी जिम्मेदारी है।

19 अप्रैल को देश में लोकसभा का पहले चरण का मतदान होना है। पहले चरण के मतदान के लिए सभी पार्टी ने अपने-अपने क्षेत्र में जमकर चुनाव प्रचार किया। एक-दूसरे की पार्टी पर जमकर बयानबाजी की। पार्टी के घोषणापत्रों पर भी खूब मीन-मेख निकाले गए। उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ताओं पर बढ़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी में दिल और दिमाग में पार्टी की विचारधारा बसी हुई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस भारत के लोकतांत्रिक विचार के खिलाफ है। कांग्रेस नेता ने पार्टी के घोषणा पत्र में की गई कई बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक बेहतरीन घोषणापत्र है। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया, हमने जनता की बात सुनकर यह घोषणापत्र तैयार किया है। आप इसके बारे में देश की जनता को बताइए। उन्होंने कहा, जनता को बताइए कि भाजपा हिंदुस्तान की सोच पर हमला कर रही है, हिंदुस्तान की विचारधारा को खत्म कर रही है, संविधान को मिटाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा चुनाव के लिए सात चरणों में होने वाले मतदान का पहला चरण शुक्रवार को होगा।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भाजपा का वार लोकतांत्रिक ढांचों का कमजोर कर रहा है। सभी उन्होंने कहा कि हमारी कानूनी ढांचे, चुनाव आयोग सहित सभी लोकतांत्रिक संस्थानों को आरएसएस, भाजपा से बचाने की आवश्यकता है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़कों पर, गांवों में हर जगह आरएसएस की विचारधारा वाले लोगों के खिलाफ लड़ते आए हैं। क्योंकि आप सभी रक्षक हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि इस बार कांग्रेस भाजपा और उसकी विचारधारा को हराएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश की जनता को यह जानना चाहिए कि भाजपा उन पर किस तरह वार कर रही है।

कांग्रेस के महासचिव ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी का वीडियो संदेश सभी का देखने का अनुरोध करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले राहुल का संदेश देखना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार मोदी सरकार का जाना तय है। बस 4 जून का इंतजार है।

खेल
प्रमुख समाचार

लखनऊ सुपर जाइंट्स और चेन्नई के बीच मुकाबला आज

नईदिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स अपने घरेलू मैदान पर शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उतरेगी तो उसके सामने चेन्नई सुपर किंग्स के धारदार गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने की कठिन चुनौती होगी जो इकाना स्टेडियम की पिच पर कहर बरपा सकते हैं।

रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी और महेंद्र सिंह धोनी की प्रेरणा वाली चेन्नई टीम ने पिछले दो मैच जीते हैं जबकि केएल राहुल की लखनऊ टीम को लगातार दो पराजय झेलनी पड़ी है। लखनऊ के बल्लेबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और देखना होगा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे चेन्नई के गेंदबाजों का सामना वे कैसे करते हैं।

यॉर्कर डालने में उस्ताद मथीषा पथिराना को डैथ ओवरों में खेल पाना बहुत मुश्किल है। वहीं मुस्ताफिजुर रहमान के पास कम से कम तीन वैरिएशन हैं। इकाना जैसे स्टेडियम पर जहां गेंद पर पकड़ अच्छी रहती है, रविंद्र जडेजा काफी असरदार साबित हो सकते हैं। लखनऊ में महीश तीक्षणा के रूप में एक अतिरिक्त स्पिनर को उतारा जा सकता है। लखनऊ में इस सत्र में पहली पारी का औसत स्कोर 175 रन रहा है जो दूसरे मैदानों से कम से कम 15 रन कम है।

लखनऊ के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव पिछले दोनों मैचों में पेट की मांसपेशी में खिंचाव के कारण नहीं खेल सके। उन्होंने अभ्यास शुरू किया और उनकी रफ्तार चेन्नई के बल्लेबाजों के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकती है लेकिन देखना यह है कि वह कल खेल पाते हैं या नहीं। स्पिन में रवि बिश्नोई ने किफायती स्पैल फेंके हैं लेकिन वैरिएशन के अभाव के कारण अभी तक छह मैचों में चार ही विकेट ले सके। बिश्नोई और चेन्नई के आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे की टक्कर देखने लायक होगी। लखनऊ के प्रमुख बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक लगातार दो अर्धशतकों के बाद पिछले तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर सके।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 455 अंक टूटा निफ्टी 22,000 के नीचे आया

नईदिल्ली। शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में आज बीएसई सेंसेक्स 455 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 152 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 454.69 अंक यानी 0.62 फीसदी की गिवारट के साथ 72,488.99 अंक पर बंद हुआ। हालांकि सेंसेक्स ने आज कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ की मगर सत्र के दूसरे हाफ में बिकवाली के दबाव में अपनी सारी बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स में आज 72,365.67 और 73,473.05 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 152.05 अंक यानी 0.69 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,995.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,961.70 और 22,326.50 के रेंज में कारोबार हुआ।

अदाणी ग्रुप में बढ़ा जीक्यूजी पार्टनर्स का निवेश

नईदिल्ली। अदाणी समूह में इनवेस्टमेंट फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। मार्च तिमाही के दौरान जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी ग्रुप में 8 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। कंपनी ने अदाणी समूह की 6 कंपनियों में 8,300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने उनमें अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड, अदाणी पावर और अंबुजा सीमेंट में निवेश किया है। बता दें, मार्च तिमाही के दौरान, जीक्यूजी पार्टनर्स ने जिस कंपनी में सबसे अधिक निवेश किया है वो अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस है। फिस्डोम रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2024 तिमाही तक, अदाणी समूह की छह कंपनियों में जीक्यूजी पार्टनर्स की हिस्सेदारी का मूल्य पिछली तिमाही की तुलना में 33 प्रतिशत बढ़कर 54,300 करोड़ रुपये हो गया है।

पेटीएम में फिर दिखेगा बड़ा बदलाव

नईदिल्ली। बीते कुछ समय से पेटीएम कंपनी के लिए समय काफी बुरा चल रहा है। पेटीएम के पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से रोक लगाई जा चुकी है। पेटीएम को लेकर ही एक और बड़ा बदलाव होने वाला है। इस बदलाव के कारण ही यूजर्स का पेटीएम ऐप पर जाकर यूपीआई आईडी में बदलाव कर सकते है। बता दें कि वर्तमान में पेटीएम के यूजर्स की यूपीआई आईडी में फोननंबर या नाम के बाद @paytm लिखा होता है। मगर अब आईडी में बदलाव किया जाएगा। कंपनी अपने यूजर्स की परेशानी को दूर करने के लिए अब पेटीएम के यूजर्स के लिए यूपीआई आईडी में बदलाव करने का मौका है। यूजर्स को सुविधा होगी कि वो नई यूपीआई आईडी बनाने के लिए माइहग्रेट करने की सुविधा मिलेगी। ऐसा करने के बाद ही यूजर्स आगे पेमेंट करना जारी रख सकेंगे।

एयरटेल श्रीलंका परिचालन का डायलॉग एक्सियाटा के साथ करेगी विलय

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल शेयर अदला-बदली सौदे के जरिए अपने श्रीलंका परिचालन का डायलॉग एक्सियाटा के साथ विलय करेगी। संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2022-23 में एयरटेल श्रीलंका का कारोबार 294 करोड़ रुपये था। यह भारती एयरटेल के कुल कारोबार का 0.21 प्रतिशत था। बयान में कहा गया, '' डायलॉग एक्सियाटा पीएलसी, एक्सियाटा ग्रुप बरहाद (एक्सियाटा) और भारती एयरटेल लिमिटेड ने श्रीलंका में अपने परिचालन को संयोजित करने के लिए एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।'' इसमें कहा गया, समझौते के तहत श्रीलंका स्थित दूरसंचार कंपनी डायलॉग एयरटेल श्रीलंका में जारी किए गए शेयरों में से 100 प्रतिशत का अधिग्रहण करेगा।

गांवों से मिल रही अर्थव्यवस्था को नई दिशा

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने का नया परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। 10 अप्रैल को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते हुए जीडीपी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वर्षा के संकेत दिख रहे हैं। इसी प्रकार हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने भी कहा है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी।

गौरतलब है कि भारत के गांवों में न केवल कृषि संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, बल्कि फ्रिज, दो पहिया वाहन और टीवी की खरीदारी उच्च स्तर पर है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश है। विश्व में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर, भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल,

इलायची और काली मिर्च आदि का प्रमुख उत्पादक माना जाता है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। निश्चित रूप से पिछले दस वर्षों में कृषि एवं ग्रामीण विकास का नया आधार तैयार हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान करीब 15 फीसदी है। कृषि बजट में दस वर्षों में पांच गुना वृद्धि हुई है। सरकार द्वारा 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करीब तीन लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित होने जैसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरक, बीज, कृषि रसायन, ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण, जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई वस्तुओं के अधिक उपयोग से किसानों को लाभ हुआ है। कृषि ऋण समितियों, किसान समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि-उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्योग लगाने के लिए सरकार की क्रेडिट गारंटी और ब्याज में रियायत कृषि में ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने जैसे जो रणनीतिक प्रयास किए हैं, उनसे भी काफी किसान लाभान्वित हुए हैं। देश में प्राकृतिक यानी जैविक खेती को विशेष प्राथमिकता दिए जाने से प्राकृतिक खेती ग्रामीण भारत के विकास का एक और नया माध्यम बनते हुए दिखाई दे रही है।

जहां कोविड-19 की आपदा से लेकर अब तक भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है, वहीं दुनिया भर में भारत अपने कृषि उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ा रहा है। इस समय दुनिया में कृषि निर्यात में भारत का स्थान सातवां है। भारत से करीब 50 हजार डॉलर से अधिक मूल्य का कृषि निर्यात होता है। इस समय भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढ़कर दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण निर्यातों में 15 गुना वृद्धि हुई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 फीसदी से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। यह भी उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी, 2024 को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत जिन 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित किया गया है, उनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी।

मतदान की हर पल की गतिविधि पर नजर रखने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

पहले चरण में 811 मतदान केंद्रों से मिलेंगी लाइव वीडियो

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत प्रदेश में प्रथम चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में हो रहे मतदान की पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले स्वयं नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निर्वाचन गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत प्रथम चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 1961 मतदान केंद्रों में से 811 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी। मतदान के पहले आज सभी केंद्रों से टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में स्थापित कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में 16 बड़ी स्क्रीन पर एक साथ 144 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग के जरिए लाइव वीडियो देखी जा

सकेगी। जिलावार एवं विधानसभावार हर 30 सेकंड में मतदान केंद्र स्क्रीन पर बदलेंगे जिससे सभी मतदान केंद्रों से आ रहे वीडियो को बारी-बारी से देखा जा सके। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए वेबकास्टिंग के माध्यम से कुल मतदान केंद्रों में से आधे मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त की जा रही हैं। निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त करने के लिए कैमरे स्थापित किए गए हैं। यह पहली बार है कि मतदान केंद्र के अंदर के साथ ही बाहर भी कैमरे लगाए गए हैं जिससे मतदाताओं की कतारों तथा बाहर की अन्य गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। लोकसभा निर्वाचन के दौरान पहले चरण में जहां 811 मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त की जाएंगी, वहीं दूसरे चरण में होने वाले तीन लोकसभा क्षेत्रों के लिए 3243 मतदान केंद्रों से तथा तीसरे और अंतिम चरण में सात लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के दौरान 7856 मतदान केंद्रों से लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। इस प्रकार तीनों चरणों में कुल 11 हजार 910 मतदान केंद्रों पर वेब-कास्टिंग के जरिए मतदान की गतिविधियों पर नजर रखी जाएंगी। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन को लाइव वीडियो के माध्यम से जिला स्तर के साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय तथा भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय स्तर पर देखा जा सकेगा।

बस्तर चुनाव के एक दिन पूर्व भाजपा में 700 से ज्यादा लोगों का प्रवेश

शिशुपाल समेत कांग्रेस के दिग्गज भाजपा में शामिल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में चल रहीं जनकल्याणकारी योजनाओं व विकसित भारत के संकल्प से प्रभावित होकर गुरुवार को कांकेर के पूर्व विधायक शिशुपाल सोरी सहित सैकड़ों राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा प्रवेश किया। लोकसभा के लिए प्रथम चरण में होने जा रहे बस्तर लोकसभा में मतदान से ठीक एक दिन पहले बस्तर में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश में भाजपा प्रवेश का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा प्रवेश उत्सव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवप्रवेशी भाजपा सदस्यों को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर उनका भाजपा परिवार में स्वागत किया।

भाजपा के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पहले आयोजित प्रवेश उत्सव में पूर्व विधायक कांग्रेस विधान मिश्रा, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, कांग्रेस के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला, जगदलपुर महापौर सफीरा साहू, पूर्व महापौर वाणी राव, जिला पंचायत अध्यक्ष महासमुंद उषा पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिता रावटे, विष्णु यादव, जोगी कांग्रेस यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप साहू, पूर्व मंत्री हरिदास भारद्वाज, मंतूराम पवार, राजेन्द्र कुमार लुंकड़, बिलासपुर जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चैहान, राजा नीलेन्द्र बहादुर जैसे दिग्गज पहले भी भाजपा में प्रवेश कर चुके है। भाजपा में आज प्रवेश कार्यक्रम में गुरुवार को जिन लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली है, उनमें प्रमुख रूप से कांग्रेस के दिग्गज नेता शिशुपाल सोरी, विजय गुरु की सुपुत्री प्रियंका गुरु, चंद्रप्रकाश वाजपेई, कांग्रेस की बिलासपुर लोकसभा की जिम्मेदारी संभाल रहे, संतोष कौशिक, दंतेवाड़ा से जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुभाष सुराना,शरद रण सिंह सहित 700 से ज्यादा लोगों ने भाजपा प्रवेश किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अब चला चली की बेला है। पतझड़ की तरह कांग्रेस रूपी वृक्ष को उनके नेता और कार्यकर्ता पार्टी को छोड़कर उसे ठूँठ में बदलने का काम कर रहे हैं। वैसे तो पूरे देश में यही आलम है। केंद्रीय राजनीति में भी कई दिग्गज नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ते जा रहे हैं। कांग्रेस में आम कार्यकर्ताओं की कोई पूछ-परख नहीं हो रही है।, उल्टे अपनी व्यथा व्यक्त करने, बड़े नेताओं को खरी-खरी सुनाने, सरकार से लेकर संगठन तक मचाई गई लूट पर बोलने वालों को स्लीपर सेल तक कहकर अपमानित किया गया। श्री साय ने कहा कि इसीलिए अब कांग्रेस अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। श्री साय ने सभी कार्यकर्ताओं से प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा की विजय के लिए प्राण-पण से जुटने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस रूपी जहाज को अब डूबने से कोई नहीं बचा सकता ,ऐसा कोई दिन नहीं जब कांग्रेस के दिग्गज कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं अब सभी को यह मालूम हो चल चुका है कि कांग्रेस राष्ट्रहित की राजनीति करने वाला दल नहीं रहा, कांग्रेस ने कई कार्य ऐसे किए हैं जो राष्ट्र का भारत का अपमान और अहित करने वाले हैं इसीलिए कांग्रेस के नेता राष्ट्रहित सर्वोपरि के उद्देश्य से आगे बढ़ रही भाजपा का दामन थाम रहे हैं।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक धर्मजीत सिंह, प्रदेश कार्यालय प्रभारी नरेश गुप्ता ,प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिलासपुर में फिर से भाजपा का सांसद बनाना है

लबरा, भ्रष्टाचारी कांग्रेस को सबक सिखाना हैः साय

रायपुर/बिलासपुर। कांग्रेसी लबरा और भ्रष्टाचारी हैं, जिसने अपने 5 साल के शासनकाल में छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था। इनको फिर से सबक सिखाना है। कांग्रेसियों ने भारत जोड़ो यात्रा की, लेकिन अपने घर को ही नहीं संभाल पा रहे हैं। रोज बड़े-बड़े कांग्रेस नेता के रिश्तेदार भाजपा में शामिल हो रहे हैं। दुर्ग में विजय बघेल के नामांकन रैली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भाभी ने भाजपा प्रवेश किया। कांग्रेस में चारों ओर भगदड़ मची है। बिलासपुर में आयोजित विशाल नामांकन रैली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ये बातें कही। साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। महादेव सट्टा एप को संरक्षण देने के लिए उन पर 508 करोड़ रुपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप लगा, जिस पर एफआईआर भी दर्ज हुआ है। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। कांग्रेस को फिर से सबक सिखाना है, खाता खोलने भी नहीं देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी जगह-जगह फार्म भरवा कर जनता को ठग रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो महिलाओं को हर महीने 8 हजार और साल में एक लाख देंगे। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं होने वाला है। श्री साय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पहले ही छत्तीसगढ़ की सत्ता भाजपा को सौंप दी है और केंद्र में कांग्रेस के आने की कोई संभावना ही नहीं है। ये सब जानते हुए भी कांग्रेसी जनता को ठगने का नया पैंतरा ले कर आए हैं, जिसका जनता करारा जवाब देगी।

सीएम साय ने कहा कि लोकसभा का चुनाव आया तो कांग्रेसी फिर से जनता को ठग रहे हैं। डबल इंजन की सरकार आदिवासियों का आरक्षण खत्म कर देगी ये भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा। कोई भी ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो अब वे आरक्षण खत्म होने का भ्रम फैला रहे हैं। सीएम साय ने जनता से अपील की कि कांग्रेसियों की बातों में नहीं आना है, उसको सबक सिखाना है और इस चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है, ये बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया। मोदी जी ने अपनी दूरदृष्टि से भारत को आर्थिक स्थिति की दृष्टि से 11वें स्थान से 5वें स्थान पर लाया। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है इसलिए मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है।

विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

भाजपा नक्सलवाद, आतंकवाद मुक्त भारत की बात क्यों नहीं करती?

रायपुर। भाजपा नेताओं के नक्सलियों से पहले कांग्रेस का खात्मा वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं ने नक्सलियों से पहले कांग्रेस का खात्मा वाले बयान देकर नक्सलियों के प्रति भाजपा की नरम एवं सहयोगी रुख को जनता के सामने रखा है। भाजपा संविधान बदलने की बात करती हैं और नक्सली संगठन संविधान के खिलाफ काम करते हैं। दोनों को लोकतंत्र में रुचि नहीं है बल्कि लोकतंत्र खत्म कर शासन करना चाहते हैं। कांग्रेस संगठन इन दोनों के गलत मंसूबे के सामने मजबूत दीवार बनकर खड़ा हुआ है। इसीलिये बीते 10 साल से भाजपा कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात करती आ रही है। भाजपा कभी बेरोजगारी, महंगाई ,भ्रष्टाचार, अराजकता, आतंकवाद और नक्सलवाद मुक्त भारत बनाने के बात नहीं कही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जनता की लड़ाई सदन से लेकर सड़क में लड़ी है मोदी सरकार की कुनितियां, गरीब, किसान, मजदूर, विरोधी, नीतियां, देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था और देश में बढ़ते कर्ज पर कांग्रेस ने हमेशा सवाल खड़े किया है। भाजपा सरकार की हम दो हमारे दो की नीतियों का भी विरोध कांग्रेस ने किया है।

कुछ लोगों के पार्टी छोड़ने से पार्टी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता

रायपुर। कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओ के भाजपा प्रवेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि किसी के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस के प्रदेश में निष्ठावान 19 लाख से अधिक कार्यकर्ता है। 24000 बूथों पर पार्टी की बूथ कमेटिया तैनात है। कुछ अवसरवादी लोगो के पार्टी छोड़ने से पार्टी की मजबूती एवं पार्टी के चुनाव अभियान में कोई कमी नहीं आनी वाली। हर चुनाव में कुछ वैचारिक रूप से कमजोर तथा सत्ता लोलुप लोग दल बदल करते है। यह सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन पार्टी के पास निष्ठावान कर्मठ ईमानदार कार्यकर्ताओं की फौज है जो देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक पार्टी के साथ दृढ़ता से खड़ी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दल बदल करवाने की भाजपा की आतुरता बता रही है कि उसे लोकसभा चुनाव में हार की पूरी संभावना दिख रही। उसे लगता है कि वह अपने पुराने नेताओं कार्यकर्ताओं के दम पर चुनाव नहीं जीत पायेगी। इसीलिये वह दल बदल करवा कर चुनाव मैदान में अपने आपको दिखाने की नौटंकी में लगी है। इस दल बदल से भाजपा के मूल और पुराने कार्यकर्ता खुद को ठगा हुआ और अहित महसूस कर रहे है।

भाजपा सरकार ने किसानों के धान का 1600 करोड़ नहीं दिया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से धोखा कर रही। किसानों के द्वारा पिछले वर्ष बेचे गये धान की कीमत की अंतिम किस्त जो सरकार को देना था भाजपा सरकार ने उसको भी नहीं दिया। जिससे किसानों का 1600 करोड़ का नुकसान हो गया। राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त के लिये पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बजट का प्रावधान करके रखा था साय सरकार ने किसानों को भुगतान नहीं किया जिसके कारण किसानों को मिलने वाली किसान न्याय योजना की चौथी किस्त की बजट राशि को लेप्स हो गयी। यह भारतीय जनता पार्टी की किसान विरोधी सोच का नतीजा है किसानों ने अपना धान 2680 रू. में सरकार के पास बेचा था यह छत्तीसगढ़ सरकार और किसानों के बीच का अनुबंध था। सरकार चलाने वाला दल भले ही बदल गया हो किसानों से सरकार द्वारा किया गया अनुबंध (वादा) तो यथावत है। किसान न्याय योजना का पैसा किसानों का हक है उन्हें मिलना ही चाहिये। साय सरकार किसानों को उनके धान का पैसा तत्काल भुगतान करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद जनकल्याणकारी योजनायें दम तोड़ रही। किसानों को मिलने वाली राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त नहीं दिया गया।

नक्सलियों को शहीद कहने वाली सुप्रिया को शर्म क्यों नहीं आई

रायपुर। भाजपा की पूर्व विधायक एवं प्रदेश की प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता व सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत की छत्तीसगढ़ में हुई प्रेस वार्ता पर तीखा हमला किया है रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को शर्म नहीं आई ,उन्होंने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के मारे जाने के बाद उन्हें शहीद बताने वाली सुप्रिया श्रीनेत की छत्तीसगढ़ में प्रेस वार्ता करवाई। श्रीमती साहू ने कहा कि यह करके कांग्रेस ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि छत्तीसगढ़ के सारे नेता सुप्रिया के साथ है व नक्सलियों को शहीद मानते हैं और कहीं ना कहीं छत्तीसगढ़ कांग्रेस और भूपेश बघेल के कहने पर ही सुप्रिया ने यह बयान दिया था श्रीमती साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पत्रकारों का भी सुप्रिया ने अपमान किया , उनके सवालों को अभद्र बताया छत्तीसगढ़ के पत्रकार अभद्र नहीं है हां जरूर सुप्रिया जी आपको अपने अंदर झांकने की जरूरत है आप क्या है? श्रीमती साहू ने कहा सुप्रिया ने छत्तीसगढ़ आकर मणिपुर की बात कर रही थी उन्हें यह बताना चाहिए था की कांग्रेस शासन में बिरनपुर में साहू समाज के भुनेश्वर साहू की निर्ममता से हत्या की गई तब कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री ,भूपेश बघेल ,गृहमंत्री उस क्षेत्र के विधायक कांग्रेस का कोई नेता ,कार्यकर्ता श्री ईश्वर साहू का दुख बांटने क्यों नहीं गया।

बिरयानी सेंटर में गटर साफ करने उतरे दो कर्मचारियों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित अशोका बिरयानी सेंटर में गटर साफ करने उतरे दो कर्मचारियों की मौत हो गई. इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है. मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अशोका बिरयानी सेंटर का है. बताया जा रहा है कि मृतक का नाम 19 वर्षीय डेविड साहू पिता यशवंत राम, खामहरिया जिला धमतरी निवासी है. दूसरा मृतक युवक नाम 30 वर्षीय नीलकुमार पटेल पिता जगदीश पटेल, खुटादरहा जांजगीर का रहने वाला था. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, लाभंडी स्थित अशोका बिरयानी के गटर टैंक की सफाई के लिए बिरयानी सेंटर के दो कर्मचारियों को गटर में उतारा गया था, जो अज्ञात कारणों से गटर में फंस गए. फिर किसी तरह प्रयास करके दोनों को निकाला गया और वी केयर हॉस्पिटल भेजा गया. यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया. वहीं इस मामले को लेकर एडिशनल एसपी सिटी लखन पटले ने बताया कि अशोका बिरयानी होटल के 2 कर्मचारियों की गटर साफ करने के दौरान मौत हुई है. इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आगे जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी.

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा

न्यायिक आवासीय कॉलोनी राज्य के लिए बने मिसालः सिन्हा

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने कोरबा जिले में न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारीगण के लिये आवासीय कॉलोनी का वर्चुअल भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि किसी भी जिले में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये सर्वसुविधायुक्त रहवासी कॉलोनी उत्साहवर्धक एवं नयी ऊर्जा का संचार करने वाली होती है, जिससे उनके कार्यकुशलता में और दक्षता में वृद्धि होती है, जिले के नये कॉलोनी ऐसा बने जो राज्य के लिये एक मिसाल साबित हो।

चीफ जस्टिस श्री सिन्हा ने आवास गृह निर्माण के लिए न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि न्यायालयों को बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए काम किया जा रहा है और इसके लिए पहल भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हमें राज्य के न्यायालयों में काम करने का बेहतर माहौल प्रदान करना है। यह परियोजना न्यायिक अधिकारी-कर्मचारियों के लिए आवास प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ताकि आवास प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का

सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों को इस परियोजना को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा पर पूरा करने के निर्देश दिए। श्री सिन्हा ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए न्यायालयीन अधिकारियों को भी इस परियोजना की सतत् निगरानी रखने के लिए भी कहा।

भूमि पूजन एवं आधारशिला के कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं पोर्टफालियो जज श्री गौतम भादुड़ी ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि आवास मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है, चीफ जस्टिस के द्वारा सभी जिलों के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिला न्यायालयों में आवास की कमी है। न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी को सर्वसुविधायुक्त आवास उपलब्ध कराये जाने पर उनके कार्य में कुशलता होगी वे बिना किसी मानसिक दवाब से अच्छे से अच्छा कार्य तत्परता से करेगें। भारत संचार निगम लिमिटेड एवं लोक निर्माण विभाग से सतत् प्रयास कर वर्चुअल मोड में आवासीय कॉलोनी के भूमिपूजन एवं आधारशिला कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गौरतलब है कि न्यायिक अधिकारी-कर्मचारियों के लिये न्यायिक आवासीय परिसर रामपुर कोरबा में आवासीय परिसर का निमार्ण एवं कटघोरा में आवासीय कॉलोनी का निर्माण किया गया है।

भाजपा की गारंटी चाइनीज माल की तरह झूठीः भूपेश

राजनांदगांव/रायपुर। कांग्रेस के राजनांदगांव लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल ने गुरुवार को अपने जनसंपर्क के दौरान मोदी की गारंटी पर प्रहार करते हुए भाजपा को खूब घेरा। भूपेश ने छुईखदान में अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी का दावा करने वाली भाजपा की हर एक बात झूठी निकली। वर्तमान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किसानों के 2लाख रुपए तक के कर्ज माफ होने की बात आपसे आकर कही थी जिसका कोई अता पता नहीं है जबकि हमने शपथ ग्रहण के 2 घंटों में ही किसानों की कर्जमाफ़ी की घोषणा कर दी थी, भाजपा ने किसानों को धान के एकमुश्त 3100 रुपए पंचायत में देने की बात कही थी लेकिन ये बात भी झूठी निकली, मजदूरों को हर साल 10,000 रूपये देने का वादा तो पूरा नहीं किया उल्टे कांग्रेस सरकार में मिलने वाले 7000 रुपए भी देने बंद कर दिए, महिलाओं से 500 रुपए में सिलेंडर देने का वादा भी कोरा झूठ निकला, भाजपा केवल और केवल झूठ बोल कर, जनता को मूर्ख बना कर सत्ता पाना चाहती है। ग्रामवासियों को कांग्रेस की न्याय गारंटी की जानकारी देते हुए भूपेश ने बताया कि कांग्रेस की सरकार महिला, युवा, किसान सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। एक ओर जहां कांग्रेस पार्टी महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने की बात कह रही है तो वहीं दूसरी ओर युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरी के साथ साथ अपरेंटीस का अधिकार भी दे रही है जिसमें युवाओं को सरकार वर्तमान जरूरतों के हिसाब से विभिन्न ट्रेंड में ट्रेन करेगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.